दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 152 ■ दमण, बुधवार 04, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

मजबूत अर्थव्यवस्था से भारत बना विश्व की आशा: पीएम मोदी

■ सस्टेनिंग एंड स्ट्रेंथनिंग इकोनॉमिक ग्रोथ वेबिनार में गुणवत्ता और निर्यात बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली में आयोजित बजट वेबिनार श्रृंखला के तहत मंगलवार 03 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सस्टेनिंग एंड स्ट्रेंथनिंग इकोनॉमिक ग्रोथ' विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बजट पर इतनी व्यापक चर्चा अपने आप में एक सफल और सकारात्मक प्रयोग है। वेबिनार में बड़ी संख्या में विशेषज्ञों और हितधारकों की भागीदारी को उन्होंने लोकतांत्रिक संवाद की मजबूती का संकेत बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले सप्ताह आयोजित पहले वेबिनार को भी व्यापक सराहना मिली थी और बजट प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार सुझावों के आधार पर नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के कारण विश्व के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं (ग्लोबल सप्लाई चेन) तेजी से पुनर्गठित हो रही हैं और ऐसे समय में भारत के पास विश्वसनीय और लचीले विनिर्माण साझेदार के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए तीव्र और निरंतर आर्थिक विकास आवश्यक आधार है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा, हमारी दिशा स्पष्ट है, हमारा संकल्प स्पष्ट है- अधिक निर्माण करें, अधिक उत्पादन करें, अधिक कनेक्ट करें और अधिक निर्यात करें। उन्होंने जोर दिया कि आज

दुनिया भरोसेमंद और टिकाऊ विनिर्माण भागीदारों की तलाश में है और भारत इस भूमिका को निभाने में सक्षम है। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे निर्यात के नए अवसर खुले हैं। ऐसे में भारतीय उद्योगों की जिम्मेदारी है कि वे गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न करें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारा मंत्र होना चाहिए- गुणवत्ता, गुणवत्ता और गुणवत्ता।

पटना में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं के साथ खेली होली

पटना (ईएमएस)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम से होली मनाई। एक कार्यक्रम में वे 'पटना में राम खेले होली' गीत पर झूमते दिखाई दिए। उन्होंने मंच से फूल बरसाए, तालियां बजाईं और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। मंच के नीचे खड़ी महिलाओं ने उनसे फोटो खिंचवाने का आग्रह किया, तब उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मोबाइल दीजिए, मैं ऊपर से ही फोटो खींच देता हूं। उन्होंने कहा कि होली के दिन भाषण नहीं, बल्कि गीत-संगीत का आनंद लेना चाहिए। कार्यक्रम में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल भी मौजूद रहे। करीब 15-20 मिनट बाद नितिन नवीन कार्यक्रम से रवाना हो गए, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने कुर्ता फाड़ होली खेली और जमकर नृत्य किया। बिहार में होलिका दहन के साथ ही होली की धूम शुरू हो चुकी है। पूर्णिया में लगभग 40 फीट ऊंची होलिका का दहन

किया गया। छुट्टियों के कारण ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। जनरल कोच फुल होने पर यात्री स्लीपर और एसी कोच में भी सफर कर रहे हैं। भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी सहित 10 राज्यों के लिए 42 होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। साथ ही 150 अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। होली को लेकर पूरे बिहार में पुलिस अलर्ट पर है। डीजे और अश्लील गानों पर प्रतिबंध लगाया गया है। हुड़दंग, अफवाह फैलाने और सड़क पर रेसिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल, होमगार्ड और केंद्रीय बलों की तैनाती कर 24 घंटे मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

पीएम मोदी के गोद लिए गांव ने रचा इतिहास, एक घंटे में लगाए 2,51,446 पौधे

■ गिनीज बुक की टीम ने मेयर और नगर आयुक्त को सौंपा सर्टिफिकेट

वाराणसी,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी के 2018 में गोद लिए गए सूजाबाद-दोमरी गांव ने हरियाली के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया। नगर निगम की अगुवाई में एक घंटे में 2,51,446 पौधे रोपे गए। इससे 2018 में चीन के नाम दर्ज 1,53,981 पौधे लगाने का रिकॉर्ड टूट गया। इस उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया। गिनीज टीम के ऋषि नाथ और निश्चल बारोट ने ड्रोन और डिजिटल गणना प्रणाली से नजर रखी। इसके बाद टीम ने आधिकारिक रूप से नए रेकॉर्ड की घोषणा करते हुए मेयर अशोक तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को सर्टिफिकेट दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वाराणसी दौरे पर आए सीएम योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस में पौधरोपण अभियान के बाद प्रस्तुतीकरण देखा और जुड़े लोगों को सम्मानित किया। इस शहरी वन की सबसे अनूठी विशेषता इसकी बनावट और वैचारिक पृष्ठभूमि है। पूरे वन क्षेत्र को 60 अलग-अलग सेक्टरों में बांटा गया है। हरेक सेक्टर का नाम काशी के प्रसिद्ध गंगा घाटों के नाम पर रखा है। यह बनावट ऐसी है कि भविष्य में जब ये पौधे पेड़ बनेंगे, तो गंगा किनारे एक हरा-भरा मिनी काशी का स्वरूप नजर आएगा। पीएम मोदी की प्रेरणा और सीएम योगी के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि काशी न केवल अपनी प्राचीन परंपराओं को संजोए हुए है, बल्कि पर्यावरण जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। ढाई लाख पौधों की यह नई सौगात काशी के माथे पर एक और गौरवपूर्ण तिलक है। हरेक सेक्टर में करीब 4,000 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें शीशम, अर्जुन, सागौन और बांस जैसी 27 देशी प्रजातियों के साथ-साथ आम, अमरूद और पपीता जैसे फलदार वृक्षों और अश्वगंधा, शतावरी व गिलोय जैसी औषधियों को प्राथमिकता दी गई है। इन पौधों को जीवित रखने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। वन क्षेत्र में 10,827 मीटर लंबी अत्याधुनिक पाइपलाइन बिछाई गई है। 10 बोरवेल और 360 रेन गन सिस्टम के जरिए सिंचाई की ऐसी व्यवस्था की गई है कि पानी की बर्बादी न हो। मियावाकी तकनीक के कारण ये पौधे सामान्य की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ेंगे और मात्र दो से तीन सालों में यह क्षेत्र एक सघन ऑक्सीजन बैंक का रूप ले लेगा। यह परियोजना केवल हरियाली तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर निगम के लिए आय का बड़ा स्रोत भी बनेगी। मध्य प्रदेश की एमबीके संस्था के साथ हुए समझौते के तहत तीसरे साल से ही निगम को दो करोड़ रुपए की आय होने लगेगी, जो सातवें साल तक सात करोड़ रुपए वार्षिक तक पहुंच सकती है। मेयर ने कहा कि यह आध्यात्मिक शांति और आधुनिक अर्थशास्त्र का एक अनूठा उदाहरण है। प्रशासन की टीमें स्थल पर डटी रहीं और अंततः काशी ने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

ब्रिटिश हाई कमीशन में मनाया गया होली का त्यौहार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 03 मार्च। दिल्ली स्थित ब्रिटिश हाई कमीशन (ब्रिटिश उच्चायोग) ने पारंपरिक उत्साह के साथ होली का त्यौहार मनाया। भारत और ब्रिटेन के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए जीवंत होली का त्यौहार मनाया। इस समारोह में ब्रिटिश राजनयिकों ने रंगों और उत्सवों में भाग लिया, जो भारत की जीवंत संस्कृति को अपनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक तरीका है। भारत-ब्रिटेन के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाता है। इस आयोजन में ब्रिटिश राजनयिकों और स्थानीय कर्मचारियों ने मिलकर अबीर-गुलाल लगाकर होली का जश्न मनाया। इस अवसर पर भारत में ब्रिटिश हाई कमिश्नर लिंडी कैमरून और उनकी टीम उपस्थित रही।

गुजरात सरकार के वित्त एवं शहरी विकास कैबिनेट मंत्री कनू देसाई ने वापी में बन रहे ब्रिजों और अंडरपास का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 03 मार्च। गुजरात सरकार के वित्त एवं शहरी विकास कैबिनेट मंत्री कनू देसाई ने आज वापी में ब्रिजों और अंडर पास के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कनू देसाई ने वापी-दमण के बीच बन रहे ब्रिज, वापी जीआईडीसी जे टाइप के पास बन रहे ब्रिज और झंडा चौक अंडरपास के कार्य का निरीक्षण कर उसकी प्रगति को जांचते हुए अधिकारियों को तेजी से कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर वलसाड जिला भाजपा उपप्रमुख सतीष पटेल, वापी शहर प्रमुख मनीष देसाई, वापी महानगरपालिका के कमिशनर योगेश चौधरी एवं आर एंड डी अधिकारी जतीनभाई उपस्थित रहे।

इसरो का वैज्ञानिक बताकर महिला से शादी का झांसा देकर 42.64 लाख रुपये की ठगी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे के वाकड इलाके में ऑनलाइन शादी करने की साइट के माध्यम से एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 42.64 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी जयेश पाटिल ने खुद को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का वैज्ञानिक बताकर शादी का झांसा देकर महिला का विश्वास जीत लिया। 28 साल की पीड़िता, जो हिंजवड़ी स्थित एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्यरत है, ने नवंबर 2024 में वेबसाइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी। तभी आरोपी ने महिला से संपर्क कर शादी की इच्छा जाहिर की। जाँच में पता चला कि आरोपी ने धीरे-धीरे महिला का भरोसा जीता और भविष्य में साथ रहने तथा संपत्ति खरीदने के बहाने पैसों की मांग शुरू की। नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच पीड़िता ने अलग-अलग किस्तों में कुल 42.64 लाख रुपये उसके खातों में ट्रांसफर कर दिए। महिला को तब शक हुआ जब उसने पाया कि आरोपी वास्तव में इसरो में कार्यरत नहीं है। वाकड पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 16.65 लाख रुपये फ्रीज कर बरामद किए, जबकि करीब 27 लाख रुपये की तलाश जारी है। आरोपी की पहचान जयेश पाटिल उर्फ आदर्श म्हात्रे, निवासी अलीबाग (रायगढ़) के रूप में हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वह पहले भी इसी तरह के एक अन्य ठगी मामले में नवी मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार हो चुका है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म पर शिक्षित महिलाओं को निशाना बनाता था और ठगी की रकम से गोवा में कैसिनो समेत विलासी जीवन जी रहा था। अभी आरोपी 4 मार्च तक नवी मुंबई पुलिस की हिरासत में है। रिमांड खत्म होने के बाद वाकड पुलिस उसे अपने कब्जे में लेकर आगे की पूछताछ करेगी। घटना ने ऑनलाइन डेटिंग और मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म पर सावधानी बरतने की जरूरत पर फिर से जोर दिया है।

पटियाला के शीश महल हेरिटेज फेस्टिवल पर मची भगदड़, दो युवक घायल

पटियाला (एजेंसी)। पटियाला के शीश महल में चल रहे हेरिटेज फेस्टिवल के आखिरी दिन पंजाबी गायक आर नैत के कार्यक्रम के लिए भारी भीड़ उमड़ी। आयोजकों द्वारा महंगी टिकटें बेची गई थीं, लेकिन पर्याप्त प्रबंध न होने के कारण लोग अंदर नहीं जा सके और गेट बंद कर दिए गए। कुछ लोग कार्यक्रम देखने के लिए शीश महल की ऊंची दीवारें फांदने लगे। इसी अफरातफरी में दो युवक दीवार से गिर गए और उनकी टांगें टूट गईं। दोनों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया कि आयोजन में सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। कई लोग जिन्होंने महंगी टिकट खरीदी थी, उन्हें भी अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। घटना स्थल के पास बिजली की तारें भी थीं। यदि किसी का हाथ तारों से छूता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पंजाब के सीएम ऑफिस का दफ्तर हाइजैक!

जालंधर (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखपाल खैहरा का पंजाब सरकार पर एक और हमला बोला है। खैहरा ने ट्वीट कर कहा है कि सी.एम. भगवंत मान के डीपीआरओ दफ्तर को रोजाना स्पोक्समैन से जुड़े एक करीबी व्यक्ति ने कथित रूप से अपने कब्जे में ले लिया है, जो आम आदमी पार्टी की राजनीति के अनचाहे प्रचार पर जनता के पैसे बर्बाद कर रहा है। खैहरा ने आरोप लगाया की रोजाना स्पोक्समैन का को-पार्टनर अमनदीप सिंह डी.पी.आर.ओ. को चला रहा है। उन्होंने कहा कि जिस दिन सरकार बदलेगी, इसका पूरा आडिट होगा और जितना पैसा फिजूलखर्ची पर गया है, उसका हिसाब लिया जाएगा।

मुंबई में 4 जगहों पर एटीएस का छापा, चार गिरफ्तार, आतंकी कनेक्शन का शक

मुंबई (एजेंसी)। एक ओर जहां पूरे देश में होली का त्योहार बड़े जोश के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई समेत महाराष्ट्र में भी होली का उत्साह चरम पर है, वहीं महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड यानि एटीएस ने मुंबई में एक बड़ी कार्रवाई की है। खबर है कि एटीएस ने मुंबई शहर के कुर्ला और गोवंडी में भीड़भाड़ वाली जगहों पर छापा मारा है। इस छापामारी से हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार एटीएस ने मुंबई में चार जगहों पर रेड मारी है। ये रेड शहर के गोवंडी और कुर्ला में भीड़भाड़ वाली जगहों पर की गई है। गोवंडी में तीन और कुर्ला में एक जगह पर छापा मारा गया है। इस कार्रवाई में पूछताछ के लिए चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। शक है कि इन चारों के किसी आतंकी संगठन से लिंक हैं। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड ने एक आतंकवादी संगठन के कथित ऑनलाइन प्रोपेगैंडा को लेकर मुंबई में तीन जगहों पर बड़ी रेड की। यह कार्रवाई सोमवार रात शुरू हुआ और देर रात तक चला। रेड के दौरान मोबाइल फोन और लैपटॉप समेत कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ज़ब्त किए गए और कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह रेड कुछ लोगों के डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए कट्टरपंथी सोच फैलाने और उसका इस्तेमाल करने के शक में की गई थी। गिरफ्तार किए गए युवाओं पर देशद्रोह रोकथाम कानून के तहत बैन एक आतंकवादी संगठन से संबंध होने का शक है। यह भी बताया गया है कि एटीएस को इस बात के पक्के सबूत मिले हैं कि गिरफ्तार किए गए लोगों के एक आतंकवादी संगठन से संबंध हैं।

युवती का शव खेत में मिला, दर्ज कराया था दुष्कर्म का केस और कोर्ट में बयान होना था.....

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में फतेहपुर जिले के गाजीपुर के एक गांव के बाहर एक युवती का शव खेतों में मिलने से सनसनी मच गई है। युवती ने इसके पहले दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। और इसके बाद युवती का कोर्ट में बयान भी होना था। लेकिन इसके पहले ही उसकी संदिग्ध हालात में मौत हो गई। युवती के गले और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान हैं, जिससे हत्या की आशंका है। पुलिस ने दुष्कर्म आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। केवगांव निवासी युवती का शव गांव से करीब एक किमी दूर चने के खेत में पड़ा मिला। परिजनों के मुताबिक रविवार की रात करीब 12 बजे वह लोग सो रहे थे। तभी बेटी घर से निकल गई। खोजबीन के बाद रात करीब ढाई बजे वह अचेत अवस्था में खेत में मिली। चेहरे व गले पर काले चोट के निशान भी मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका है। मृतक युवती की मां ने गांव के सुनील यादव पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने आरोप लगाया।

अविमुक्तेश्वरानंद का योगी सरकार से सवाल... बताएं यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी कैसे आई

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के काशी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गौ-माता को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि एक तरफ योगी सरकार गौ-रक्षा की बात करती है, दूसरी तरफ गौ-तस्करों से चंदा लेती है। यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी आई है। डिप्टी सीएम मौर्य बताएं ऐसा क्यों है?

शंकराचार्य ने कहा कि 7 मार्च से ÷शंखनाद यात्रा÷ की शुरुआत होगी। जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव होकर 12 मार्च को लखनऊ पहुंचेगी। जहां पर गौ-प्रतिष्ठा ध्वज स्थापना और गौ-माता की रक्षा के लिए धर्मयुद्ध के शंखनाद का कार्यक्रम प्रस्तावित है। डिप्टी सीएम मौर्य की बात पर उन्होंने कहा, यह सही बात है कि भारत का नागरिक देश में कहीं भी आने-जाने के लिए स्वतंत्र है। इसमें उन्होंने न कुछ गलत कहा है। न ही कोई अतिशयोक्ति की है। जहां तक सनातन धर्म का सवाल है, कोई भी सनातन धर्मी अपने गुरु के आगमन पर स्वागत करता है, यह हमारी परंपरा है। यह विचारणीय विषय है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछली जनगणना में यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी आई है। अगर प्रदेश में गाय को खरोंच तक नहीं लगती, तब यह 4 प्रतिशत कमी कैसे हुई? यह कोई निजी आंकड़ा नहीं है, बल्कि सरकारी डेटा है। योगी सरकार को इसका स्पष्ट उत्तर देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया अगर कहा जा रहा है कि गौ-हत्या करने वालों की कोई औकात नहीं है, तब फिर बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं? उनका उद्देश्य क्या है? यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इन सवालों का जवाब प्रदेश के मुखिया को देना चाहिए।

झारखंड सीएम ने खाड़ी देशों में फंसे भारतीय को वापस लाने पीएम मोदी से किया आग्रह

रांची(एजेंसी)। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने खाड़ी देशों में बदलती स्थिति को बेहद चिंताजनक बताते हुए पीएम मोदी से वहां फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए जरुरी कदम उठाने का आग्रह किया है। सीएम सोरेन ने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार विदेश में फंसे राज्य के लोगों की हर संभव मदद करेगी। सीएम सोरेन ने एक्स पर लिखा- खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदल रही स्थिति चिंता का विषय है। उन्होंने पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से अनुरोध किया कि इस गंभीर परिस्थिति में जो भी भारतीय स्वयं को असुरक्षित या फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं, उन्हें सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए जरुरी कदम उठाया जाएं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सोरेन ने खाड़ी देशों में रहने वाले झारखंड समेत देश के अन्य हिस्सों के प्रवासियों से सतर्क रहने की अपील की और आश्वासन दिया कि भारत आपके साथ खड़ा है। उन्होंने लिखा- विशेष रूप से झारखंड के जो लोग खाड़ी देशों में रह रहे हैं, उन सभी से अपील की कि किसी भी परेशानी में झारखंड राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

खामेनेई की हत्या पर मोदी सरकार की चुप्पी, तटस्थता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से पीछे हटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर केंद्र सरकार के रुख की तीखी आलोचना की है। उन्होंने एक लेख के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि इस संवेदनशील वैश्विक घटनाक्रम पर भारत की चुप्पी तटस्थता नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटना है। सोनिया गांधी के अनुसार, सरकार की इस खामोशी से भारत की विदेश नीति की दिशा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न चिह्न खड़े होते हैं।

सोनिया गांधी ने घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक मार्च को ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता की हत्या की पुष्टि की थी, जो अमेरिका और इस्राइल द्वारा किए गए लक्षित हमलों का परिणाम था। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक बड़ा विघटन करार देते हुए कहा कि चल रही राजनयिक वार्ताओं के बीच किसी सत्तारूढ़ राष्ट्राध्यक्ष की इस तरह हत्या करना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की भी मांग उठाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न तो इस हत्या की निंदा की और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। सोनिया गांधी ने तर्क दिया कि बिना किसी औपचारिक युद्ध की घोषणा के और कूटनीतिक प्रक्रिया के दौरान किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या करना संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2(4) की भावना के पूरी तरह विपरीत है। यह अनुच्छेद किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ऐसे कृत्यों पर सिद्धांत आधारित आपत्ति दर्ज नहीं करता, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्षरण सामान्य हो जाएगा। उन्होंने भारत के ब्रिक्स साझेदारों और वैश्विक दक्षिण के देशों के रुख का हवाला देते हुए कहा कि भारत का वर्तमान रवैया गलत संकेत भेज रहा है, जो चिंता का विषय है।

वकीलों को अपनी सफलता के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए

-सीजेआई ने युवा विधि स्नातकों को सशक्त और व्यावहारिक का दिया संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि कानूनी व्यवस्था में जनता का विश्वास वकीलों के आचरण पर बहुत हद तक निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में जनता का विश्वास उन लोगों की ईमानदारी और निरंतरता पर निर्भर करता है जो वकालत करते हैं। उन्होंने कहा कि हर पेशेवर निर्णय चाहे वह फीस, मुवक्किल की गोपनीयता हितों के टकराव या कोर्ट में व्यवहार से संबंधित हो, उस विश्वास को मजबूत या कमजोर करने में योगदान देता है। गांधीनगर में आयोजित गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 16वें दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत ने युवा विधि स्नातकों को यह सशक्त और व्यावहारिक संदेश दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई द्वारा नैतिक आधारों पर जोर देना अहम है। वह भी तब जब आज के माहौल में जहां संस्थानों में जनता के विश्वास पर कड़ी नजर रखी जाती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने छात्रों को याद दिलाया कि विश्वसनीयता धीरे-धीरे बनती है और जल्दी ही खो भी जाती है। वकीलों को न केवल अपनी सफलता के लिए बल्कि न्याय व्यवस्था के स्वास्थ्य के लिए भी जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।

यह दीक्षांत समारोह ऐसे समय में हुआ जब भारतीय कानूनी व्यवस्था गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। देशभर में 17 लाख से ज्यादा पंजीकृत वकीलों और 50 करोड़ से ज्यादा लंबित मामलों के साथ, दक्षता और विशिष्ट क्षेत्र की विशेषज्ञता की जरुरत है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि मेरे प्रिय स्नातकों इस पेशे में आपकी सही जगह क्या है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका सामना जल्द से जल्द करना जरुरी है, क्योंकि यह शायद ही कभी उन लोगों को पुरस्कृत करता है जो हर चीज में समान रूप से प्रयास करते हैं। उन्होंने साफ किया कि यह समझ तुरंत नहीं आती। यह अनुभव, आत्म-चिंतन और व्यावहारिक ज्ञान के माध्यम से धीरे-धीरे विकसित होती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि विधि पेशे में विशेषज्ञता को महत्व दिया जाता है, न कि औसत दर्जे को। उन्होंने न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए ईमानदारी, प्रशिक्षण और अकादमिक जगत और व्यवहार के बीच के अंतर को पाटने पर भी बल दिया। सीजेआई ने युवा विधि स्नातकों को एक सशक्त और व्यावहारिक संदेश दिया। टी-20 क्रिकेट का उदाहरण देते कहा कि सूर्यकुमार यादव से डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने या बुमराह से चेज को संभालने की उम्मीद नहीं की जाती। उन पर भरोसा किया जाता है कि वे वही करेंगे जिसमें वे माहिर हैं और टीम इसी स्पष्टता के आधार पर बनाई जाती है। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपनी क्षमताओं को शीघ्र पहचानें और हर चीज में औसत दर्जे का बनने की कोशिश करने के बजाय उन्हीं क्षमताओं के इर्द-गिर्द अपना करियर बनाएं।

अपने संबोधन के आखिर में सीजेआई सूर्यकांत ने तैत्तिरीय उपनिषद के प्राचीन भारतीय ज्ञान का हवाला देते हुए स्नातकों को उनकी नैतिक जिम्मेदारी याद दिलाई। उन्होंने जिक्र करते हुए कहा कि सत्य बोलो, धर्म के मार्ग पर चलो। इसके जरिए से उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विधि में सफलता केवल कौशल पर ही नहीं, बल्कि चरित्र पर भी निर्भर करती है।

पटना में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं के साथ खेली होली

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम से होली मनाई। एक कार्यक्रम में वे 'पटना में राम खेले होली' गीत पर झूमते दिखाई दिए। उन्होंने मंच से फूल बरसाए, तालियां बजाईं और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। मंच के नीचे खड़ी महिलाओं ने उनसे फोटो खिंचवाने का आग्रह किया, तब उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मोबाइल दीजिए, मैं ऊपर से ही फोटो खींच देता हूं। उन्होंने कहा कि होली के दिन भाषण नहीं, बल्कि गीत-संगीत का आनंद लेना चाहिए। कार्यक्रम में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल भी मौजूद रहे। करीब 15-20 मिनट बाद नितिन नवीन कार्यक्रम से रवाना हो गए, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने कुर्ता फाड़ होली खेली और जमकर नृत्य किया। बिहार में होलिका दहन के साथ ही होली की धूम शुरू हो चुकी है। पूर्णिया में लगभग 40 फीट ऊंची होलिका का दहन किया गया। छुट्टियों के कारण ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। जनरल कोच फुल होने पर यात्री स्लीपर और एसी कोच में भी सफर कर रहे हैं। भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी सहित 10 राज्यों के लिए 42 होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। साथ ही 150 अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। होली को लेकर पूरे बिहार में पुलिस अलर्ट पर है। डीजे और अश्लील गानों पर प्रतिबंध लगाया गया है। हुड़दंग, अफवाह फैलाने और सड़क पर रेसिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल, होमगार्ड और केंद्रीय बलों की तैनाती कर 24 घंटे मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

बिहार का तापमान पहुंचेगा 40 डिग्री सेल्सियस, मार्च से ही तपिश शुरू, मौसम विभाग ने किया अलर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार में मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही मौसम के मिजाज में तल्खी आने लगी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा विश्लेषण के अनुसार, इस साल गर्मी न केवल जल्दी शुरू हुई है, बल्कि यह सामान्य के मुकाबले कहीं अधिक तीखी और लंबे समय तक रहने वाली है। मौसम वैज्ञानिकों ने संकेत दिया है कि मार्च से लेकर मई तक राज्य का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर बना रहेगा, जिसका सीधा असर आम जनजीवन पर पड़ना तय है।

मौसम केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बार पूर्वी और पूर्व-मध्य भारत के हिस्सों में हीटवेव यानी लू चलने वाले दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। चूंकि बिहार इसी क्षेत्र में आता है, इसलिए राज्य के अधिकांश जिलों में अप्रैल और मई के दौरान भीषण लू का प्रकोप रहेगा। दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में तो अभी से ही तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है। इस साल की गर्मी की एक बड़ी विशेषता हीट आइलैंड प्रभाव होगी। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट की ऊंची इमारतें, पक्की सड़कें और वाहनों की भीड़ गर्मी को सोख लेती है और उसे देर रात तक छोड़ती रहती है। इसके कारण शहरों में रात के समय भी तापमान अधिक रहेगा और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग का मानना है कि यह स्थिति मई के अंत तक बनी रहेगी, जिसके बाद ही प्री-मानसून की गतिविधियां शुरू होने की उम्मीद है। प्रचंड गर्मी और लू के खतरों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अभी से बचाव की तैयारी करने की सलाह दी है। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से बचने के लिए प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पानी, नींबू पानी, छाछ या ओआरएस का सेवन करना आवश्यक है। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच, जब सूरज की किरणें सबसे तीखी होती हैं, बाहर निकलने से बचने की कोशिश करनी चाहिए। यदि बाहर जाना अनिवार्य हो, तो छाता, टोपी या सूती गमछे का प्रयोग जरूर करें। खान-पान में तली-भुनी चीजों की जगह दही, सलाद और ताजे फलों को शामिल करना शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मददगार साबित होगा। बच्चों और बुजुर्गों के प्रति विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है क्योंकि वे लू की चपेट में जल्दी आते हैं।

ईरान पर हुए हमलों पर ओआईसी की चुप्पी मुस्लिम जगत के साथ धोखा

-जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने की ओआईसी की आलोचना

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की आलोचना की। उन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों पर ओआईसी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए इसे पूरे मुस्लिम जगत के साथ धोखा बताया है। एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए महबूबा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में ओआईसी का मूक दर्शक बने रहना बेहद निराशाजनक है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा- यह बेहद परेशान करने वाला है कि जब अमेरिका और इजराइल ईरान की संप्रभुता के खिलाफ खुलेआम आक्रामकता कर रहे हैं, तब ओआईसी एक मूक दर्शक की भूमिका में है। ईरान के सर्वोच्च नेता की खामेनेई की शहादत पर इसकी चुप्पी और इसका दोष उल्टा ईरान पर ही मढ़ने की कोशिश न केवल

चिंताजनक है, बल्कि बेहद शर्मनाक भी है। महबूबा ने इस बात पर जोर दिया कि ओआईसी को ईरान पर हुए इस दुस्साहसिक हमले की कड़ी निंदा करनी चाहिए थी, लेकिन उसने ईरान पर ही दोष मढ़ने की कोशिश की। ओआईसी के रुख को एपस्टीन गैंग की कार्रवाइयों का परोक्ष समर्थन बताते हुए उन्होंने कहा कि ईरान पर इस खुले हमले की निंदा करने के बजाय उसने चुप्पी साधना चुना है, जो परोक्ष रूप से एपस्टीन गैंग की कार्रवाइयों का समर्थन करता है। यह मुस्लिम समुदाय की सामूहिक अंतरात्मा और हितों के साथ एक बहुत बड़ा विश्वासघात है। ओआईसी पर यह आरोप पहली बार नहीं है। पहले भी कई मौकों पर ओआईसी को पाकिस्तान का प्रॉक्सी बताकर आलोचना की जाती रही है, जहां यह कश्मीर पर भारत-विरोधी बयान जारी करता है, लेकिन अन्य मुस्लिम मुद्दों पर चुप्पी साध लेता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महबूबा मुफ्ती की यह कड़ी प्रतिक्रिया उन हालिया घटनाक्रमों के बाद सामने आई है, जिनमें शनिवार तड़के अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए संयुक्त हवाई हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की जान चली गई। इस घटना के बाद से ही वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव गहरा गया है।

नेपाल चुनाव से पहले सील हुई भारत नेपाल सीमा, वाल्मीकिनगर बॉर्डर पर सन्नाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले संविधान सभा चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। प्रशासनिक आदेशों के तहत वाल्मीकिनगर-त्रिवेणी बॉर्डर सहित अन्य संवेदनशील सीमा क्षेत्रों को 72 घंटे के लिए पूरी तरह सील कर दिया गया है। यह पाबंदी 2 मार्च की मध्यरात्रि 12 बजे से प्रभावी हो चुकी है, जो 5 मार्च की मध्यरात्रि 12 बजे तक जारी रहेगी। इस दौरान सीमा पार से होने वाले सामान्य आवागमन और वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारियों के अनुसार, यह कदम चुनाव सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उठाया गया है। सीमा पर केवल एम्बुलेंस और अन्य अत्यंत आवश्यक आपातकालीन सेवाओं को ही गहन जांच के बाद आने-जाने की अनुमति दी जा रही है। यदि कोई नेपाली मतदाता भारतीय क्षेत्र से मतदान के लिए त्रिवेणी पहुंचता है, तो उसकी नागरिकता और मतदाता पहचान पत्र की कड़ाई से जांच करने के बाद ही उसे प्रवेश दिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 6 मार्च की सुबह से सीमा पर स्थिति सामान्य कर दी जाएगी और आवागमन पूर्व की भांति सुचारू हो जाएगा।

चुनाव के मद्देनजर नेपाल सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की बिक्री और वितरण पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। सीमा पार से किसी भी तरह की अवांछित गतिविधि को रोकने के लिए बिहार पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाल लिया है। बगहा सहित सीमा से सटे जंगली रास्तों और नदी मार्गों पर गश्त तेज कर दी गई है। स्थानीय पुलिस प्रशासन के अनुसार, सीमावर्ती इलाकों में कड़ी चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी असामाजिक तत्व चुनावी प्रक्रिया में बाधा न डाल सके। इस अंतरराष्ट्रीय सीलबंदी का मुख्य उद्देश्य सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और तस्करी को रोकना है। नेपाल में संसदीय चुनाव की संवेदनशीलता को देखते हुए दोनों देशों के सुरक्षा निकाय निरंतर संपर्क में हैं। एसएसबी के जवान आधुनिक उपकरणों और खोजी कुत्तों की मदद से हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया जाएगा।

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत : वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोश न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

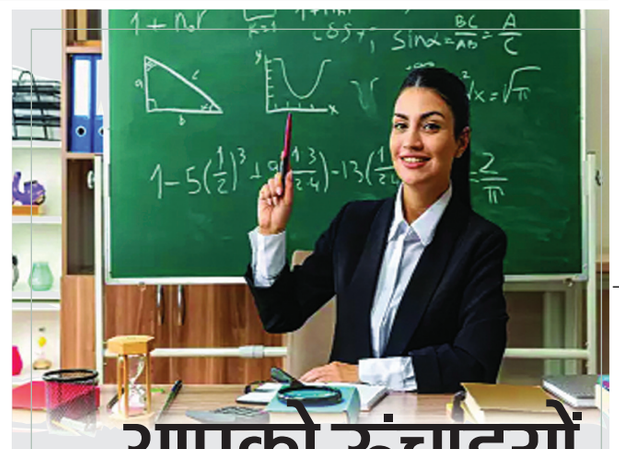

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति

वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश : मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

ललित गर्ग

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी।

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक

कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह ह्यरणनीतिक स्वायत्तताह्ण की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है।

भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं, बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

समाधान क्या हो सकता है? प्रथम, युद्धविराम और संवाद की बहुपक्षीय पहल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि स्थायी शांति केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि राजनीतिक समझौते और पारस्परिक सम्मान से आती है। द्वितीय, ऊर्जा आपूर्ति के वैकल्पिक स्रोतों और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश को तेज करना होगा, ताकि तेल-निर्भरता कम हो और भू-राजनीतिक संकटों का असर सीमित किया जा सके। तृतीय, वैश्विक संस्थाओं का पुनर्गठन आवश्यक है, ताकि वे केवल महाशक्तियों के प्रभाव का साधन न बनकर न्यायपूर्ण और प्रभावी मंच बन सकें। चतुर्थ, क्षेत्रीय संवाद मंचों-जैसे ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण की अपनी परंपरा को व्यवहार में उतारे। शांति, सहअस्तित्व और संवाद का संदेश केवल भाषणों तक सीमित न रहकर ठोस कूटनीतिक पहलों में दिखना चाहिए। यदि भारत ऊर्जा विविधीकरण, रक्षा आत्मनिर्भरता, डिजिटल और हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है, तो वह वैश्विक संकटों के बीच भी स्थिरता बनाए रख सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सक्रियता-चाहे वह बहुपक्षीय मंचों पर भागीदारी हो या क्षेत्रीय देशों के साथ प्रत्यक्ष संवाद-भारत की अस्मिता और हितों की रक्षा के प्रयास का संकेत देती है।

निश्चित तौर पर युद्ध किसी भी देश के लिए स्थायी लाभ का माध्यम नहीं बन सकता। इतिहास गवाह है कि शक्ति-प्रदर्शन से अस्थायी विजय मिल सकती है, किंतु स्थायी शांति केवल न्याय, संवाद और सहयोग से ही आती है। नई बनती दुनिया को यदि स्थिर और मानवीय बनाना है, तो उसे हथियारों की दौड़ से आगे बढ़कर सहअस्तित्व की संस्कृति अपनानी होगी। भारत, जो स्वयं विविधता और सहिष्णुता का प्रतीक है, इस परिवर्तन का अग्रदूत बन सकता है। चुनौती बड़ी है, किंतु अवसर भी उतना ही व्यापक है-शर्त यह है कि विश्व नेतृत्व युद्ध की भाषा छोड़कर शांति की भाषा सीखे और भारत अपने संतुलित, स्वायत्त और दूरदर्शी दृष्टिकोण से इस वैश्विक उथल-पुथल में स्थिरता का स्तंभ बने।

संपादकीय

आर्थिक उथल-पुथल

भले ही, दुनिया में चौधराहट बनाये रखने और साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिए अमेरिका ने इस्राइल के साथ मिलकर ईरान पर युद्ध थोपा हो, मगर इस युद्ध के दूरगामी घातक परिणाम पूरी दुनिया को झेलने होंगे। इस संघर्ष ने पूरे पश्चिमी एशिया को गहरे संकट में डाल दिया है। तबाही के कगार पर खड़े ईरान ने जिस तरह अपने पड़ोसी देशों के व्यापारिक व औद्योगिक संस्थानों पर ताबड़-तोड़ हमले किए हैं, उससे मध्यपूर्व में बड़ा आर्थिक संकट पैदा हो गया है। लाखों लोगों के रोजगार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खासकर लाखों भारतीय कामगारों के लिये बड़ा संकट पैदा हो गया है। ईरान की जवाबी कार्रवाई से पश्चिमी एशिया में बढ़ते संकट से, इस क्षेत्र में आर्थिक उथल-पुथल मची हुई है। दुनिया के प्रमुख वैश्विक जहाजरानी मार्गों पर मंडरा रहे खतरे के बीच ऊर्जा बाजार की स्थिति पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हुए हमलों के कारण कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की ढुलाई पहले ही बाधित हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के लिये एक रणनीतिक मार्ग है। लेकिन मौजूदा युद्ध से उपजे हालात में जहाज बीमा कंपनियों ने युद्ध-जोखिम कवरेज वापस ले लिया है। इसके चलते पेट्रोलियम पदार्थों व अन्य उत्पादों की माल ढुलाई लागत बढ़ रही है। युद्ध की विभीषिका के चलते तमाम जहाजों ने अपने मार्ग बदल लिए हैं। कुछ जहाज चलाने वाली कंपनियों ने अपने जहाजों के परिचालन पर रोक लगा दी है। इसका तात्कालिक परिणाम यह है कि कच्चे तेल की कीमतों में काफी उछाल देखा जा रहा है। जिसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें आने वाले दिनों में विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाएंगी। जाहिरा तौर पर विकासशील व गरीब देशों का आर्थिक संकट और गहरा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर विकासशील देशों की सरकारों के सामने विकास कार्यक्रमों के लिये वित्तीय संसाधन जुटाना अब एक बड़ी चुनौती होगी। वहीं इन देशों में केंद्रीय बैंकों के लिये भी मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाये रखना मुश्किल हो जाएगा।

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

सनत जैन

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू कर-के जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है।

ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और कतर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, कतर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है।

सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरूआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है।

विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे।

इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजाराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहुत सजग रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

राग, रंग, रस,संस्कृति और हर्षोल्लास का महापर्व-होली

बिनोद कुमार सिंह

सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो... भारत पर्व-त्योहारों का देश है -विविधताओं से भरा, .किंतु सांस्कृतिक आत्मा से एकसूत्र में गुँथा हुआ।इसी सांस्कृतिक चेतना के विराट आकाश में यदि कोई उत्सव अपनी बहुरंगी छटा,लोक ध्वनि,पौराणिक स्मृतियों और प्रेमरस की मधुरता के कारण सर्वाधिक जीवंत प्रतीत होता है, तो वह होली है।होली केवल रंगों का उत्सव नहीं,यह ऋतु-परिवर्तन का सांस्कृतिक विधान, लोकजीवन का उत्स, संगीत और किंदन्तियों का आलोक तथा सामाजिक समरसता का सजीव प्रतीक है।

फाल्गुन के आगमन के साथ जब शीत ऋतु की कठोरता शिथिल पड़ती है,आम्र-मंजरियों की सुगंध वातावरण में घुलती है और प्रकृति नवयौवन से दीप्त होती है, तब भारतीय जनमानस में होली की स्मृतियाँ और परम्पराएँ जाग उठती हैं। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं,जीवन के नवोन्मेष का संकेत है-जड़ता से चेतना की ओर, संकुचन से विस्तार की ओर।होली का पौराणिक आधार भारतीय मानस में गहरे प्रतिष्ठित है।भक्त प्रह्लाद,असुरराज हिरण्यकशिपु और होलिका की कथा धर्म और अधर्म, आस्था और अहंकार के शाश्वत संघर्ष की प्रतीक है।फाल्गुन पूर्णिमा की रात्रि को प्रज्ज्वलित होलिका- दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,अपितु आत्मशुद्धि और सामाजिक चेतना का संस्कार है। अग्नि की परिक्रमा करते समय व्यक्ति अपने अंतःकरण की नकारात्मकताओं को त्यागने और सत्य, करुणा तथा नवजीवन का संकल्प लेने का भाव जगाता है।कृषि-संस्कृति से जुड़े समाज में यह पर्व नई फसल के स्वागत का भी प्रतीक रहा है।खेतों की हरियाली, श्रम की सार्थकता और सामूहिक उल्लास - ये सब होली की अग्नि में मानो संस्कारित होते हैं। इस प्रकार होली केवल पौराणिक स्मृति नहीं, ग्रामीण जीवन की धड़कन भी है।

ब्रजभूमि में होली का स्वरूप विशिष्ट सांस्कृतिक आयाम ग्रहण करता है। मथुरा,वृंदावन और बरसाना की होली भारतीय लोकपरम्परा का सजीव उदाहरण है। यहाँ यह उत्सव केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की प्रेमलीलाओं की सांस्कृतिक पुनर्रचना है।बरसाना की लठमार होली में स्त्रियाँ पारम्परिक परिधान धारण कर लाठियों के साथ प्रतीकात्मक नृत्य-नाट्य प्रस्तुत करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उस रसपूर्ण परम्परा को निभाते हैं।यह आयोजन केवल हास्य-परिहास नहीं, लोकनाट्य की सशक्त अभिव्यक्ति है,जिसमें प्रेम का अल्हड़पन और सामाजिक संवाद का सहज स्वर मिलता है।

वृंदावन के मंदिरों में फूलों की होली का विशेष महत्व है। पुष्पवर्षा के बीच गाए जाने वाले होरी-गीत वातावरण को भक्ति और श्रृंगार-रस से परिपूर्ण कर देते हैं। ह्यआज बिरज में होरी रे रसियाह्ण जैसे पद केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति के संवाहक हैं।उनमें राधा का मान, कृष्ण की चंचलता, गोपियों की अनुरक्ति और ब्रज की रसमयी चेतना सजीव हो उठती है। होली के साथ जुड़ी एक अन्य किंदन्ती शिव-पार्वती से भी सम्बद्ध है। फाल्गुन की मादकता में जब कामदेव ने भगवान शिव की तपस्या भंग करने का प्रयास किया,तब शिव के तृतीय नेत्र की ज्वाला से उसका दहन हुआ।किंतु रति के करुण विलाप से प्रसन्न होकर शिव ने उसे अनंग रूप में पुनर्जीवन दिया। इस कथा में काम,संयम और करुणा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है - जो होली के प्रेमरस को एक आध्यात्मिक आधार प्रदान करता है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में भी होरी का विशिष्ट स्थान है।धमार,ठुमरी और दादरा जैसी शैलियों में होली के पदों का गायन होता रहा है। श्रृंगार और भक्ति का यह अद्भुत संगम भारतीय संगीत परम्परा की गहराई को दर्शाता है।लोक और शास्त्र का यह सेतु ही हमारी सांस्कृतिक पहचान है।

उत्तर भारत में फाग या फगुआ के नाम से प्रचलित लोकगीत होली की आत्मा हैं।ढोलक,मंजीरा और झांझ की थाप पर गूँजते ये गीत समाज को एक सूत्र में बाँधते हैं। अवध में चौताल और धमाल की परम्परा,बिहार और पूर्वांचल में फगुआ की विशिष्ट शैली, राजस्थान में गेर नृत्य - ये सभी होली के विविध रंग हैं।पंजाब में आनंदपुर साहिब में आयोजित होला मोहल्ला सामुदायिक अनुशासन और शौर्य का प्रतीक है।पश्चिम बंगाल में डोल पूर्णिमा के अवसर पर कीर्तन और सांस्कृतिक शोभायात्राएँ इस पर्व को भक्ति और संगीत से आलोकित करती हैं।इस प्रकार क्षेत्रीय विविधताएँ मिलकर राष्ट्रीय एकता का विराट स्वर रचती हैं।प्रकृति से जुड़ी रंग-परम्परा भी होली की विशिष्ट पहचान रही है।टेसू या पलाश के फूलों से केसरिया रंग,गुलाब और कचनार की पंखुड़ियों से गुलाल,हल्दी और चंदन का प्रयोग - ये सब केवल सौंदर्य के लिए नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और पवित्रता के प्रतीक थे।रंगों की यह सृष्टि प्रकृति के प्रति संवेदन शीलता और सामूहिक श्रम की संस्कृति को पुष्ट करती थी।

सामाजिक दृष्टि से होली समता और संवाद का पर्व है।रंग लगाने की परम्परा यह संदेश देती है कि बाह्य भेद अस्थायी हैं; अंतःकरण का प्रेम ही शाश्वत है।ग्रामीण समाज में इस अवसर पर पुराने विवाद भुलाकर मेल-मिलाप की परम्परा रही है।समय के साथ होली का स्वरूप परिवर्तित अवश्य हुआ है। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने इसकी अभिव्यक्ति को नया रूप दिया है - तेज ध्वनि वाले संगीत,कृत्रिम रंग और भव्य आयोजनों के माध्यम से।किंतु इसके मूल में स्थित प्रेम, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना आज भी अक्षुण्ण है।

ब्रज की रसमयी होली,बरसाने की लठमार परम्परा,अवध का फाग,बिहार का फगुआ,राजस्थान की गेर,पंजाब का होला और बंगाल की डोल-ये सभी मिलकर होली को राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनाते हैं।विविधता में एकता का यह स्वरूप भारतीय संस्कृति की आधारशिला है।फाल्गुन की मदमस्त बयार में जब ढोलक की थाप और फाग के स्वर गूँजते हैं,तब प्रतीत होता है कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। इसमें पौराणिक स्मृति,लोककला, संगीत,प्रकृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देता है।

इसीलिए होली सदियों से हमारी सांस्कृतिक धारा में अविरल प्रवाहित है और आगे भी प्रेम,राग और रस के साथ समाज को एक सूत्र में बाँधती रहेगी-मानो हर द्वार पर यही मंगल कामना गूँजती रहेः

'सदाआनंद रहें यही द्वारे, मोहन खेले होरी हो।'

संक्षिप्त समाचार

जल्द ही वेनेजुएला लौटेंगी मारिया कोरिना मचाडो

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा है कि वह जल्द ही देश लौटेंगी। उन्हें 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य नए चुनाव की तैयारी करना है। मौजूदा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने चेतावनी दी है कि लौटने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया था। देश में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है और आने वाले समय में हालात और बदल सकते हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो समर्थकों का प्रदर्शन

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के समर्थकों ने कई शहरों में रैली निकाली। ये प्रदर्शन मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के खिलाफ किया गया। साओ पाउलो और रियो डी जेनेरियो में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बोल्सोनारो फिलहाल जेल में हैं और उनके बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। समर्थकों का कहना है कि उनके नेता के साथ अन्याय हुआ है। हाल के सर्वे में लूला और फ्लावियो के बीच कड़ी टक्कर बताई जा रही है। आने वाला चुनाव ब्राजील की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है।

गाजा में फिर बढ़ी चिंता

गाजा, एजेंसी। गाजा में हाल ही में युद्धविराम से कुछ राहत मिली थी, लेकिन ईरान पर हमलों के बाद हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। इस्राइल ने सीमाएं बंद कर दी हैं, जिससे खाने-पीने की चीजों की कमी का डर बढ़ गया है। कई लोग राशन जमा करने लगे हैं और आटे जैसी जरूरी चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। युद्ध की शुरुआत हमास के हमले के बाद हुई थी। अब रमजान के महीने में लोग फिर से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हालांकि कुछ इलाकों में गोलीबारी कम हुई है, लेकिन अनिश्चितता बनी हुई है। लोगों को डर है कि नई जंग की वजह से गाजा की समस्या पर दुनिया का ध्यान कम हो सकता है।

टेक्सास शूटिंग की घटना- हमलावर की हुई पहचान

ऑस्टिन , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में एक बार के बाहर गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने हमलावर की पहचान 53 वर्षीय नदियागा डियाग्ने के रूप में की है। वह हमले के समय ऐसे कपड़े पहने था जिन पर 'अल्लाह की संपत्ति' लिखा था और ईरान का झंडा बना था। पुलिस ने उसे मौके पर ही मार गिराया। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन इस घटना की जांच संभावित आतंकी हमले के रूप में कर रही है। हमलावर ने पहले गाड़ी से गोली चलाई और फिर राइफल लेकर सड़क पर फायरिंग की। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से और बड़ी जनहानि टल गई।

पाकिस्तान में सुरक्षा बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की सुरक्षा स्थिति पर एक बड़ी बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक ईरान में हालात बिगड़ने और अफगानिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बाद बुलाई गई। पाकिस्तान ने हाल ही में 'ग़ज़ब लिल हक' नाम से अभियान चलाया है, जो अफगान तालिबान के खिलाफ बताया जा रहा है। इस बीच अमेरिका और इज़राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। बैठक में सेना प्रमुख और कई बड़े मंत्री मौजूद रहे। ईरान में फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को सुरक्षित निकालने पर भी चर्चा हुई। उन्हें अज़रबैजान के रास्ते वापस लाया जा रहा है। क्षेत्रीय हालात को देखते हुए शरीफ ने अपना प्रस्तावित रूस दौरा भी टाल दिया है।

भारतीय राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी थिंक टैंक के सीईओ नियुक्त

वियना, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के अनुभवी भारतीय मूल के राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी को वियना स्थित थिंक टैंक ग्लोबल नेबर्स का सीईओ नियुक्त किया गया है। 62 वर्षीय चटर्जी रविवार को चीन में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर पद से सेवानिवृत्त हुए। 2 मार्च से वे अपना नया कार्यभार संभालेंगे। चटर्जी नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व छात्र और भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्हें 1995 में वीरता के लिए सम्मानित किया गया था।

ईरान के बाद इजरायल ने लेबनान को जंग में घसीटा, राजधानी पर ताबड़तोड़ हमले

तेलअवीव, एजेंसी। इजरायल और अमेरिका के हमलों में ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्लाह अली खामनेई मारे गए हैं। इसके अलावा ईरान के कई शहरों पर हमले जारी हैं तो वहीं ईरान ने भी जवाबी ऐक्शन लेते हुए इजरायल समेत आसपास के 6 सुन्नी मुस्लिम देशों पर भी अटैक किए हैं। इस बीच इजरायल ने भी जंग में एक और देश को घसीट लिया है। इजरायल पर हिजबुल्लाह की ओर से हमले किए गए थे और उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए लेबनान पर बम बरसाए हैं। ये हमले लेबनान की राजधानी बेरूत पर किए गए हैं। हिजबुल्लाह ईरान समर्थिक उग्रवादी गुट है, जो लेबनान में सक्रिय रहा है। इसके अलावा हमास और हूती उग्रवादियों को भी ईरान के ही प्रॉक्सी गुट माना जाता है।

हिजबुल्लाह ने उत्तरी ईरान के हाइफा पर ड्रोन और रॉकेट हमले किए थे। इस पर इजरायल ने जवाबी ऐक्शन लिया और लेबनान की राजधानी में फाइटर जेट्स से हमला किया है। हिजबुल्लाह ने यह कहते हुए हमला किया था कि हम अयातुल्लाह खामेनेई की हत्या का बदला ले रहे हैं। इसी पर अब इजरायल ने जवाबी ऐक्शन लिया है। हिजबुल्लाह ने एक बयान जारी कर कहा कि इजरायल ने हमारे नेता को हमारा है। अब हम भी चुप नहीं बैठ सकते। हम जवाबी ऐक्शन लेंगे। हमारे पास अधिकार है कि रक्षा करें और दुश्मन पर सही समय और सही जगह पर अटैक करें।

ईरान समर्थित समूह ने कहा कि बीते 15 महीनों से लगातार इजरायल हमारे ऊपर हमले कर रहा है। ऐसी स्थिति लगातार जारी नहीं रह सकती। उसे लेबनान से हटना होगा। इजरायल का लेबनान पर हमला एक और नए विवाद का मोर्चा खोलने जैसा है। लेबनान की सरकार लगातार हिजबुल्लाह से पल्ला झाड़ती रही है। ऐसी स्थिति में सीधे राजधानी में हमला करने से स्थिति बिगड़ सकती है। वहीं इजरायल का कहना है कि वह इस जंग को निर्णायक मोड़ पर ही खत्म करना चाहता है। हालांकि 2024 की जंग के बाद से हिजबुल्लाह कमजोर पड़ा है। लेबनान की सरकार का उसे समर्थन नहीं है और इजरायली हमलों में उसके ज्यादातर लोग मारे जा चुके हैं। खासतौर पर टॉप लीडरशिप को इजरायल ने चुन-चुनकर खत्म किया है।

क्या है ईरान का ट्रिपल एच, जिस पर हमलावर है इजरायल : बता दें कि हिजबुल्लाह, हमास और हूती को ट्रिपल एच कहा जाता रहा है। ये तीनों समूह ईरान के समर्थन वाले माने जाते हैं। ये सभी इजरायल के खिलाफ रहे हैं। अब गाजा में हमले कर इजरायल ने एक तरफ हमास को खत्म करने की कोशिशें की हैं तो वहीं लेबनान में मिसाइलें दागकर हिजबुल्लाह को निशाना बनाया है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार इजरायली हमले लेबनान के दक्षिणी इलाके में गांवों में हुए हैं। इसके अलावा पूर्वी क्षेत्र में बेका वैली को भी टारगेट किया गया है।

पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर वीजा सेवाएं स्थगित, हिंसक प्रदर्शन के चलते सुरक्षा अलर्ट जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बीच अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि लाहौर और कराची में जारी प्रदर्शन और हिंसा, साथ ही इस्लामाबाद और पेशावर में अतिरिक्त विरोध प्रदर्शन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिकी कर्मचारियों को सीमित गतिविधि और घर पर रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा चेतावनी में अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचार पर नजर रखने, भीड़ से दूर रहने, अपने आसपास सतर्क रहने और अपने एसटीईपी रजिस्ट्रेशन को अपडेट रखने की सलाह दी गई है।

वीजा और अमेरिकी सेवाएं रद्द अमेरिकी दूतावास ने बताया कि कराची और लाहौर के वाणिज्य दूतावास, तथा इस्लामाबाद अमेरिकी दूतावास में 2 मार्च के सभी वीजा अपॉइंटमेंट और अमेरिकी नागरिक सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। 'रद्द कर देने चाहिए पाकिस्तानियों के सभी वीजा' गौरतलब है कि कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुए। इसके बाद एक अमेरिकी रूढ़िवादी (कंजरवेटिव) कार्यकर्ता ने अमेरिका के विदेश विभाग से मांग की है कि पाकिस्तानियों के सभी वीजा, यहां तक कि ग्रीन कार्ड भी रद्द कर दिए जाएं। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री मार्को रुबियो को टैग करते हुए लिखा 'अमेरिकी विदेश विभाग को पाकिस्तानियों के सभी वीजा और ग्रीन कार्ड भी जब तक संभव हो, निलंबित कर देने चाहिए।' उनकी यह मांग कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास परिसर के बाहर हिंसक प्रदर्शन और झड़पों की खबरों के बाद आई है। लूमर ने दावा किया कि पाकिस्तान में ईरान के सुप्रीम लीडर की मौत से नाराज छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए, ये लोग अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के कड़ी सुरक्षा वाले परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज दोपहर दोबारा घुसने की कोशिश करने के दौरान कई अन्य लोगों को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

जापान : वोल्केनो आइलैंड्स पर आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

हॉन्ग कॉन्ग , एजेंसी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेस ने बताया कि सोमवार को सुबह 03:55 जीएमटी पर जापान के वोल्केनो आइलैंड्स क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि इस भूकंप का केंद्र 10.0 किमी की गहराई पर था। इससे पहले 21 जनवरी 2026 को यूएसजीएस ने वोल्केनो आइलैंड्स, जापान क्षेत्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया था, जिसकी गहराई 25.5 किमी (15.8 मील) थी। ईएमएससी ने भी इसी तीव्रता और गहराई की पुष्टि की।

भूकंप का केंद्र साइपन से 937 किमी उत्तर-पश्चिमोत्तर, टिनियन से 957 किमी उत्तर-पश्चिमोत्तर और गुआम (यिगो और डेडेडो) से लगभग 1,090 किमी उत्तर-पश्चिम-उत्तर में स्थित था। इस भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं था। वोल्केनो आइलैंड्स इज़ु-बोनिन-मैरियाना आर्क का हिस्सा हैं, जो एक सबडक्शन जोन है। यहां प्रशांत महासागरीय प्लेट फिलिपीनी सी प्लेट के नीचे दबती है। इस क्षेत्र में अक्सर मध्यम गहराई वाले भूकंप आते हैं, जो मुख्य रूप से इस दबती प्लेट में फॉल्टिंग की वजह से होते हैं।

इस क्षेत्र में 6.0-6.5 तीव्रता के भूकंप आम हैं और आमतौर पर सतही नुकसान या सुनामी का कारण नहीं बनते। जापान भी दुनिया के सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में आता है, जहां गहरे महासागरीय खांचे और ज्वालामुखीय आर्क की जटिल चार-आर्क प्रणाली मौजूद है। देश के लगभग 80 प्रतिशत भूकंप यहीं से आते हैं, जो शक्तिशाली सबडक्शन फोर्स की वजह से होते हैं।

'हिजबुल्ला के इस्राइल पर हमले गैर-जिम्मेदाराना: लेबनान प्रधानमंत्री नवाफ सलाम

लेबनान , एजेंसी। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम देश की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और इस्राइल को हमले जारी रखने का बहाना देते हैं। उन्होंने बिना किसी संगठन का नाम लिए कहा कि दक्षिणी लेबनान से रॉकेट लॉन्च करना गैर-जिम्मेदाराना और संदिग्ध कार्रवाई है, जो नागरिकों की सुरक्षा को जोखिम में डालती है और देश को नए संघर्ष की ओर धकेल सकती है।

देश को किसी नई सैन्य टकराव में घसीटने नहीं देंगे : प्रधानमंत्री सलाम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार देश को किसी नई सैन्य टकराव में नहीं घसीटने देगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हिजबुल्ला ने क्या किया : यह बयान ऐसे समय आया है जब उग्रवादी संगठन हिजबुल्ला ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में लेबनान से इस्राइल की ओर कई रॉकेट दागे। नवंबर 2024 में लागू हुए युद्धविराम समझौते के बाद यह पहली बार है जब हिजबुल्ला ने इस्राइल पर इस तरह का हमला किया है।

इस्राइल की कार्रवाई : रॉकेट हमलों के बाद इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्ला नियंत्रित इलाकों पर हवाई हमले किए। इस्राइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि उसने लेबनान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और हमलों के लिए हिजबुल्ला को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, एक रॉकेट को एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया, जबकि बाकी खुले इलाकों में गिरे। उत्तरी इस्राइल में हमलों के दौरान एयर रेड सायरन बजाए गए। इस्राइल की आपातकालीन सेवा मागेन डेविड अदोम ने बताया कि हमलों में तत्काल किसी की मौत की सूचना नहीं है, हालांकि शेल्टर की ओर भागते समय कुछ लोगों को हल्की चोटें आईं। लेबनान और इस्राइल के बीच तनाव नवंबर 2024 के युद्धविराम के बाद से लेबनान की ओर से रॉकेट हमले बहुत कम हुए थे, लेकिन इस्राइल ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में खतरों को रोकने के नाम पर समय-समय पर हवाई हमले जारी रखे हैं। इससे एक दिन पहले हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम ने औपचारिक श्रद्धांजलि भाषण में अयातुल्ला खामेनेई की हत्या को अपराध की पराकाष्ठा बताया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

मध्य पूर्व में फंसे हैं एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने दी जानकारी

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने सोमवार को बताया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली हमलों के कारण उड़ानें रद्द होने के बाद लगभग एक लाख से अधिक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक वर्तमान में मध्य पूर्व में फंसे हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन टीवी से कहा कि सरकार मध्य पूर्व में फंसे नागरिकों के लिए विशेष वापसी उड़ानें शुरू करने वाली है, लेकिन इससे पहले प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य (कमर्शियल) उड़ानों के दोबारा शुरू होने का इंतजार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र में बहुत लोग हैं, इसलिए अगर हम लोगों को फिलहाल कमर्शियल उड़ानों से यात्रा करने में मदद कर सकें, तो वे सबसे जल्दी घर पहुंच पाएंगे। सोमवार को जारी एक बयान में वोंग ने कहा कि सरकार अब ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को बहरीन, ईरान, इराक, इजरायल, कुवैत, लेबनान, फिलिस्तीन, कतर, सीरिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन की यात्रा न करने की सलाह दे रही है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि लोगों को जॉर्डन, ओमान और सऊदी अरब की यात्रा करने से पहले दोबारा सोचने की जरूरत है।

जो ऑस्ट्रेलियाई नागरिक पहले से ही मध्य पूर्व में हैं, उन्हें सरकार ने सलाह दी है कि वे वहां की स्थिति और स्थानीय खबरों पर नजर रखें। इसके साथ ही नागरिकों को अपनी यात्रा की जानकारी सीधे एयरलाइंस या ट्रैवल एजेंट से कंफर्म करने, अपने ट्रैवल इंश्योरेंस की जांच करने के साथ ही और ताजा जानकारी से अपडेट रहने के लिए कहा गया है। वोंग ने बताया कि विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने मध्य पूर्व में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की मदद के लिए एक सेंटर स्थापित किया है। उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा कि सरकार ने वहां तैनात लगभग 100 रक्षा कर्मियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए नूर खान बेस पर अफगानिस्तान का हमला, मारे गए 35 पाकिस्तानी सैनिक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले चार दिनों से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया, अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई से दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालात और ज्यादा बिगड़ गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में अफगान रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमले रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर हुए। इसके अलावा बलूचिस्तान के क्वेटा में 12वीं डिवीजन के मुख्यालय और खैबर पख्तूनख्वा की मोहमंद एजेंसी में ख्वाजाई कैंप पर भी बमबारी की गई। तालिबान का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान के कई अन्य जरूरी सैन्य कमांड सेंटरों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना की हालिया घुसपैठ का बदला है। पाकिस्तान ने पिछले दिनों काबुल और बगराम एयरबेस पर हमले किए थे। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगान हवाई सीमा का उल्लंघन किया या कोई आक्रामक हरकत की, तो उसे और भी कड़ा और निर्णायक जवाब मिलेगा। यह तनाव तब और बढ़ गया जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का एलान कर दिया। पाकिस्तान ने शुक्रवार को काबुल और कंधार में एयरस्ट्राइक की थीं। इसके कुछ घंटों बाद ही अफगान सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। रावलपिंडी का नूर खान एयरबेस पाकिस्तान की वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे मई 2025 में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय भी निशाना बनाया गया था। उस हमले में बेस के ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा था।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान ने रात भर चले हमलों में 32 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उनकी 203 मंसूरी, 201 सिलाब और 205 अल-बद्र कॉर्प्स ने इन ऑपरेशनों को पूरा किया। इस दौरान 10 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, 10 घायल हुए और चार सैन्य चौकियां पूरी तरह तबाह हो गईं। अफगान सेना ने पाकिस्तान के दो सैन्य ड्रोन भी मार गिराए हैं।

ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए ब्रिटेन ने अमेरिका को दिया अपना मिलिट्री बेस

लंदन, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में युद्ध के महायुद्ध में तब्दील होने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। ईरान पर अमेरिका और इजरायली हमले थमते नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं ईरान ने भी पूरी ताकत से पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया है। यूईए, कुवैत जैसे देशों में धमाकों की आवाजें गूंज रही हैं। इस बीच अब ब्रिटेन ने ईरान पर मिसाइलें बरसाने के लिए अपना मिलिट्री बेस अमेरिका को देने का ऐलान कर दिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने रविवार को कहा है कि उनके देश ने ईरानी मिसाइलों के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने के लिए अमेरिका के अनुरोध को मान लिया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर करते हुए कहा, 'अमेरिका ने कुछ खास और लिमिटेड डिफेंसिव मकसद के लिए ब्रिटिश बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी है। हमने ईरान को पूरे इलाके में मिसाइल दागने से रोकने के लिए इस अनुरोध को मानने का फैसला किया है।'

क्या बोले स्टारमर : हालांकि स्टारमर ने इस दौरान दोहराया है कि ब्रिटेन शनिवार को ईरान पर हुए अमेरिकी इजरायली एयर स्ट्राइक में शामिल नहीं था। उन्होंने ईरान पर आरोप लगाते हुए कहा कि ईरान ने पूरे इलाके में लगातार हमले किए हैं और उसकी मिसाइलों ने उन एयरपोर्ट और होटलों को निशाना बनाया है जहां ब्रिटिश नागरिक ठहरे हुए थे।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमले फैसला किया था कि ब्रिटेन ईरान पर हमलों में शामिल नहीं होगा यह फैसला हमने सोच-समझकर लिया था क्योंकि हमारा मानना ??है कि इस इलाके और दुनिया के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका बातचीत से समझौता करना है। लेकिन फिर भी ईरान ब्रिटिश हितों पर हमला कर रहा है और ब्रिटिश लोगों को बहुत बड़े खतरे में डाल रहा है।'

ईरान ने खाई कसम : ब्रिटिश प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात, कतर और कुवैत सहित अन्य खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरानी कार्रवाई को अमेरिका और इजरायल द्वारा पहले किए गए संयुक्त हमलों का प्रतिशोध बताया गया है। ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने की कसम भी खाई है।

साइप्रस में ब्रिटिश बेस पर ड्रोन से हमला : इस बीच स्काई न्यूज ने ब्रिटिश के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि साइप्रस में ब्रिटेन के रॉयल एयर फोर्स बेस अक्रोटिरी पर एक संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है। साइप्रस ने भी ड्रोन हमले की पुष्टि की है जिसमें द्वीप पर एक ब्रिटिश बेस को निशाना बनाया गया है और काफी नुकसान भी हुआ है। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बेल्जियम ने जब्त किया रूस का संदिग्ध शैडो फ्लीट तेल टैंकर : ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सेना ने रूसी शैडो फ्लीट के एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। एथेरा नामक यह जहाज यूरोपीय संघ की प्रतिबंध सूची में शामिल है और इसे जीब्रूग बंदरगाह ले जाया गया है। रक्षा मंत्री ने बताया कि जहाज पर फर्जी झंडे और दस्तावेजों के साथ चलने का संदेह है। यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस ऐसे टैंकरों का उपयोग करता है। फ्रेंकेन ने कहा कि रूस के युद्ध को रोकने के लिए इन जहाजों को हटाना जरूरी है। वहीं, रूस ने अपने जहाजों की जब्ती को समुद्री डकैती करार दिया है।

मध्य पूर्व संकट: 'बहुत शुक्रगुजार हूं', भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु सुरक्षित घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट ऑपरेशन सस्पेंड होने के बाद तीन दिन तक दुबई में फंसी रहने के बाद सुरक्षित घर लौट आई हैं। सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थीं और रास्ते में दुबई में उनका एक लेओवर था। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट में बड़ी रुकावट के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गईं।

सिंधु ने X पर पोस्ट किया, 'बैंगलोर में घर वापस आ गई हूं और सुरक्षित हूं। पिछले कुछ दिन बहुत मुश्किल और अनिश्चित रहे हैं, लेकिन मैं अपने घर वापस आकर सच में बहुत शुक्रगुजार हूं। शानदार ग्राउंड टीमों, दुबई अथॉरिटीज, एयरपोर्ट स्टाफ, इमिग्रेशन और हर उस इंसान का दिल से शुक्रिया जिन्होंने इस मुश्किल समय में आगे आकर हमारा इतना अच्छा ख्याल रखा। हमदर्दी और प्रोफेशनलिज्म शब्दों से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। अभी के लिए आराम करने, खुद को रीसेट करने और अगले कदम तय करने का समय है।'

इससे पहले सिंधु ने सोमवार को दुबई से अपना डरावना अनुभव शेयर करते हुए कहा था कि पिछले कुछ घंटे 'बहुत टेंशन वाले' रहे हैं क्योंकि दुबई एयरपोर्ट पर जहां वह और उनकी टीम छिपी हुई थीं, उसके बहुत करीब इंटरसेप्शन और धमाकों की आवाजें आ रही थीं। सिंधु ऑल इंग्लैंड ओपन में हिस्सा नहीं ले पाईं, जहां उन्हें पहले राउंड में थाईलैंड की सुपनिडा कटेथोंग से भिड़ना था, लेकिन उनके कुछ साथी शटलर बिना किसी ट्रैवल प्रॉब्लम के बर्मिंघम पहुंचने में कामयाब रहे।

भारत और इंग्लैंड की टीमें एक दूसरे को बखूबी जानती हैं : सैम करन

मुंबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम करन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिये नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था।

करन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा, 'इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है। हम भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहुत खेलते हैं तो कुछ भी छिपा नहीं है।'

इंग्लैंड का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन उतार चढाव भरा रहा है जिसने नेपाल को बमुश्किल चार रन से हराया। सुपर आठ में पाकिस्तान को दो विकेट से मात दी। करन ने कहा, 'पिछला प्रदर्शन अब मायने नहीं रखता। यह विश्व कप सेमीफाइनल है और हम इसमें अपना परफेक्ट खेल दिखाएंगे।'

वानखेड़े स्टेडियम पर भारत के समर्थकों का शोर रहेगा लेकिन करन को पता है कि उन्हें खामोश कैसे करना है। उन्होंने कहा, 'यह शानदार स्टेडियम है। मुझे यकीन है कि बृहस्पतिवार की रात यह स्टेडियम खामोश रहेगा। भारतीय टीम शानदार है लेकिन हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने उसके खिलाफ और आईपीएल में खेला है। हम किसी चीज से भयभीत नहीं हैं और दोनों टीमें सेमीफाइनल की चुनौती को लेकर रोमांचित होंगी।'

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष पर पहुंची

-गेंदबाजी रैंकिंग में अलाना किंग नंबर एक पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। मंदाना को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे नंबर पर खिसक गयी हैं। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 58 और 31 रन रन बनाये थे जिससे उनके रेटिंग अंक 790 हो गये हैं। । इसके साथ वह वोल्वार्ड्ट के 782 अंकों से आगे निकल गयी हैं। बेथ मूनी 745 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान एलीसा हीली चौथे नंबर पर बनी हुई हैं। हीली ने अपने करियर के अंतिम एकदिवसीय में शतक लगाया था। हीली के 744 रेटिंग पॉइंट्स हैं जबकि बेथ मूनी के 749 और एसलीगेह गार्डनर के 724 अंक हैं। वहीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चार स्थान ऊपर आकर शीर्ष दस में पहुंच गयी हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। भारत की ही मिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बनी हुई हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी काफी बदलाव आया है। ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर अलाना किंग 775 रेटिंग अंक के साथ नंबर-1 बन गई हैं। उन्होंने लगभग चार साल तक नंबर एक पर रहीं। सोफी ऐसलेस्टोन को पीछे छोड़ दिया। अलाना ने सीरीज़ में 16.71 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें तीसरे एकदिवसीय में चार विकेट शामिल हैं। इसके अलावा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एशलेगाह गार्डनर 516 अंकों के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की हेली मैथयूज (418) पर लगभग 100 अंकों की बढ़त बनायी है। भारत की दीप्ती शर्मा गेंदबाजी रैंकिंग में 10वें और ऑलराउंडर सूची में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

टी20 विश्वकप : आज पहले सेमीफाइनल में होगा दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के पहले सेमीफाइनल में बुधवार को पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। इस मुकाबले को जीतकर दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचने के इरादे से उतरेंगी।

दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीतकर यहां तक का सफर तय किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। जिससे उसी जीत की दावेदारी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर कीवी टीम भी कम नहीं है। वह भी इस बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने पूरी ताकत लगा देगी। न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप स्तर पर अफ्रीकी टीम के हाथों मिली हार से उबरकर इस मैच में अपनी ओर से जीत का पूरा प्रयास करेगी। वहीं न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल से सेमीफाइनल तक पहुंची है। इससे उसे अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा।

अफ्रीकी टीम ने सुपर 8 स्टेज में शानदार प्रदर्शन के बाद यहां पहुंची हैं,

इसमें उन्होंने पहले पिछले बार की विजेत भारत को 76 रन से हराया था। इसके बाद वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराने के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ करीबी जीत के साथ सुपर 8 चरण का अंत किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड का सुपर 8 अभियन सामानय रहा जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ उनका पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अपने अगले मैच में 61 रन से जीत दर्ज की। वहीं उसे इंग्लैंड के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा पर अच्छे नेट रन रेट के साथ वह अंतिम चार में आ गयी।

विश्वकप में कभी नहीं जीत पायी कीवी टीम

वहीं अगर टी20 विश्व कप के आंकड़ों को देखें तो दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का 5 बार आमना-सामना हुआ है। विश्व कप में हर बार आंकड़ों पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका का पलड़ा भारी है। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अब तक दोनों टीमों का 19 बार मुकाबला हुआ है, जिनमें 12 बार दक्षिण अफ्रीका जीती है जबकि 7 बार ही कीवी टीम जीत हासिल कर पाई है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यान्सन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका, लुंगी एनगिडी, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्खिया, ट्रिस्टन स्टब्स और रायन रिकल्टन।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैकॉन्ची

बावुमा को दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिताब जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर टेम्बा बावुमा इस बार टी20 विश्वकप में अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। वावुमा को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम खिताब अवश्य जीतेगी। दक्षिण अफ्रीका को अब बुधवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से खेलना है। टीम पिछले बार उपविजेता रही थी। तब उसे फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। बावुमा ने कहा कि उनकी टीम ने अपनी सभी कमजोरियों को दूर कर लिया है और वह विश्वकप जीतने की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि टीम के पास हर क्षेत्र में मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं। बावुमा ने कहा है कि अब तक बल्लेबाज एडेन मारक्रम, डेविड मिलर और तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कप्तान ने कहा, मैं इस विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन से काफी उत्साहित हूं। टीम खेल के हर पहलू में काफी मजबूत है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कोई कमी नहीं है और खिलाड़ी खिताब जीतने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं अभिषेक

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन अब तक टी20 विश्वकप में अच्छा नहीं रहा है। इसके बाद भी अभिषेक सबसे कम 331 गेंदों में 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर एविन लुइस और तीसरे पर डेवाल्ड ब्रेविस हैं। इन दोनो ने ही 366 और 368 गेंदों पर अपने 50 छक्के पूरे किये हैं। वहीं चौथे नंबर पर आंद्रे रसेल और पांचवे पर हजरतुल्लाह जजई है। इन दोनो ने ही 409 और 492 गेंदों में अपने 50 छक्के पूरे किये हैं।

छक्के लगाने के मामले में सबसे तेजी से आगे आने वालों में उभरते हुए बल्लेबाज ब्रेविस हैं। उन्होंने आंद्रे रसेल जैसे दिग्गज को पीछे छोड़ा है। जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल सुपर 8 के मैच में ब्रेविस ने 18 गेंदों में ही 2 चौके और 4 छक्के लगाकर 42 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 233.33 का था। इसी दौरान ही इस बल्लेबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 50 छक्के भी पूरे किए।

सूर्यकुमार बने टी20 मे सबसे सफल भारतीय कप्तान

-50 मैचों में जीत प्रतिशत के मामले में विश्व में दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अब इस प्रारुप में भारतीय टीम के नंबर एक कप्तान बन गये हैं। सूर्यकुमार ने सबसे सफल कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा समेत विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी को भी पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार का अब टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत का औसत कप्तान के तौर पर सबसे अच्छा हो गया है। अगर देखा जाये तो 50 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले किसी भी कप्तान का जीत औसत इतना नहीं है, जितना की सूर्यकुमार यादव का है। वह सबसे अधिक जीत प्रतिशत के मामले में विश्व के दूसरे कप्तान हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर 8 के अंतिम मैच में उतरते ही सूर्यकुमार 50 मैचों में कप्तानी करने वाले भारतीय कप्तान बन गये। इस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली और ये उनकी कप्तानी में टीम की 40वीं जीत थी। इसी के साथ उन्होंने रोहित और विराट का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यकुमार से पहले भारत के लिए सबसे अधिक जीत प्रतिशत का रिकॉर्ड रोहित के नाम 79.83 का था। सूर्यकुमार का जीत प्रतिशत टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 81.25 है और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अफगानिस्तान के असगर अफगान हैं ने 50 से अधिक मैचों में कप्तानी करते की है और उनका जीत प्रतिशत 81.73 का है। वहीं तीसरे नंबर पर भी भारत के ही विराट कोहली हैं, उनकी कप्तानी में जीत प्रतिशत 64.58 का रहा है। वहीं धोनी की कप्तानी में ये 59.28 प्रतिशत रहा है।

इजरायल-ईरान युद्ध का असर फुटबॉल विश्व कप पर, ईरान की जगह इस टीम को मिल सकता है मौका

जेनेवा (एजेंसी)। मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच आगामी फुटबॉल विश्व कप में ईरान की भागीदारी पर संशय गहरा गया है। अमेरिका की पहल पर क्षेत्र में जारी तनाव को देखते हुए तीन महीने बाद होने वाली इस बड़ी प्रतियोगिता में ईरान का खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उसकी जगह इराक या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को मौका मिल सकता है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के ग्रुप मैच

ईरान को ग्रुप चरण के अपने तीनों मैच अमेरिका में खेलने हैं। उसे ग्रुप जी में रखा गया है, जहां 15 जून को इंग्लेवुड (कैलिफोर्निया) में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम से मुकाबला करना है। इसके बाद 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच खेलना निर्धारित है।

बढ़ते संघर्ष से स्थिति जटिल

अमेरिका और इजरायल के हमलों के

बाद ईरान द्वारा जवाबी कार्रवाई किए जाने से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने कतर और सऊदी अरब जैसे अमेरिकी सहयोगी देशों पर मिसाइलें दागीं। इसी बीच, फीफा ने सऊदी अरब को 2034 विश्व कप की मेजबानी सौंपी है।

एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी Mehdi Taj ने कहा, 'इस हमले के बाद विश्व कप में भागीदारी को लेकर हम आशान्वित नजरिए से नहीं देख सकते।'

फीफा की चुप्पी, भविष्य अनिश्चित

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए टीम भेजेगा या नहीं, अथवा अमेरिका सरकार उसके प्रवेश पर रोक लगाएगी। फीफा ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। ईरान एशियाई फुटबॉल की मजबूत टीम मानी जाती है और उसने पिछले आठ में से छह विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

आर्थिक नुकसान और संभावित विकल्प

यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। ऐसी स्थिति में एशिया से इराक या यूएई संभावित विकल्प हो सकते हैं।

इराक एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें स्थान पर रहा और उसने प्लेऑफ में यूएई को हराया। अब उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मुकाबला खेलना है। जीत की स्थिति में वह सीधे विश्व कप में पहुंच सकता है, जबकि हार की स्थिति में भी ईरान के हटने पर उसे मौका मिल सकता है।

अब सीओई में कोच के तौर पर तेज गेंदबाजों को निखारेंगे जहीर

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान अब कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। जहीर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में तेज गेंदबाजों को कोचिंग देने की जिम्मेदारी दी गयी है। जहीर को ऑस्ट्रेलिया के ट्रॉय कूली की जगह पर कोच बनाया गया है। कूल का चार साल का कार्यकाल समाप्त हो गय है। वह अब इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाजी विशेषज्ञ कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। जहीर कोचिंग भूमिका निभाने को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह पहले आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट के कोच रहे हैं। ऐसे में उन्हें कोचिंग का अच्छा अनुभव है। माना जा रहा है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र को देखते हुए जहीर को गेंदबाजों का निखारने की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सभी मैच नहीं खेल सके थे, जिससे टीम का संतुलन कमजोर पड़ा था। तब मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी की कमान संभाली थी पर बोर्ड चाहता है कि उसके पास बेहतर तेज गेंदबाजों का एक पूल होना चाहिये जो किसी भी प्रकार के कठिन हालातों पर नियंत्रण कर सके। नवंबर 2026 में न्यूजीलैंड दौरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम अपनी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर बनाना चाहती है। इसके अलावा चयन समिति की नजरें घरेलू क्रिकेट के उभरते सितारों पर भी है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू-कश्मीर के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर भी उसकी नजरें हैं। अकीब आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स से खेलेंगे।

टी20 विश्वकप के शीर्ष पांच बल्लेबाजों और गेंदबाजों में केवल एक-एक भारतीय

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारत सहित चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में अब तक लीग स्तर से लेकर सुपर-8 तक के मुकाबलों को देखें तो अब तक पांच बल्लेबाजों और पांच गेंदबाजों का इस टूर्नामेंट में दबादबा रहा है। इन शीर्ष पांच बल्लेबाजों में एक ही भारतीय सूर्यकुमार यादव हैं। वहीं पांच गेंदबाजों में भारत के एकमत्र वरुण चक्रवर्ती भी शामिल है। शीर्ष 5 बल्लेबाजों की बात करें तो पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान नंबर एक पर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 383 रन बनाए हैं हालांकि पाकी टीम हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रायन बेनेट हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 292 रन बनाए हैं और उनकी टीम भी इस टूर्नामेंट से हार हो गयी है। तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम हैं, जो 268 रन बना चुके हैं। उनकी टीम सेमीफाइनल में है और ऐसे में उनके पास और आगे जाने का अवसर है। चौथे नंबर पर वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर हैं, जिन्होंने 248 रन बनाए हैं पर उनकी भी टीम बाहर हो चुकी है। पांचवें नंबर पर 231 रनों के साथ सूर्यकुमार यादव हैं। सूर्या शीर्ष 5 में एकमात्र भारतीय हैं और टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने से उनके पास ओर रन बनाने का अवसर है।

वहीं दूसरी ओर गेंदबाजी की बात करें तो- सबसे अधिक विकेट लेने की सूची में अमेरिक के शैडली वैन शाल्कविक हैं उनकी टीम सुपर-8 तक भी नहीं पहुंची पर उनके नाम चार मैचों में सबसे अधिक 13 विकेट हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी के नाम 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं उनकी टीम भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी हैं, उनके नाम 12 विकेट हैं और सेमीफाइनल में भी टीम पहुंची है। वही भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी 12 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। भारतीय टीम भी सेमीफाइनल में है उनके विकेटों की संख्या बढ़ना तय है। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के कोर्बिन बोस हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं और उनकी टीम भी सेमीफाइनल में पहुंची है।।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर ने भारतीय टीम के प्रदर्शन पर उठाये सवाल

लाहौर । टी20 विश्वकप से बाहर हुई पाकिस्तान टीम के पूर्व खिलाड़ी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने से चिढ़े हुए हैं। इसका अंदाजा इसी से होता है कि पाक के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद आमिर ने भारतीय टीम के समीफाइनल में पहुंचने के बाद भी उसके प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं पर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा की है। आमिर ने

विश्वकप शुरु होने से पहले कहा था भारतीय टीम सेमीफाइन में नहीं पहुंच पायेगी। उन्होंने तब कहा था कि भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं है और उसके कई कमजोर पक्ष है जिससे वह अंतिम चार में नहीं पहुंच पायेगी पर पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी लेकिन आमिर की ये भविष्यवाणी गलत साबित हो गयी। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ रहा है। वहीं आमिर ने सैमसन की नाबाद 97 रन की पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पारी खेलना आसन नहीं होता। आमिर के अनुसार सैमसन की कठिन हालातों में खेली पारी से भारतीय टीम जीती पर इसके बाद भी सेमीफाइनल उसके लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि एक शानदार पारी टीम की कमजोरियों को समाप्त नहीं कर सकती। आमिर के अनुसार भारतीय टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं है उसने मैच के दौरान कई कैच छोड़े हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाजों ने काफी अधिक रन दिये हैं। टीम एक ही गेंदबाज पर टिकी हुई है।

सेमीफाइल में जैक्स से भारतीय टीम को रहना होगा सावधान : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में मेहमान टीम के ऑलराउंडर विल जैक्स से सतर्क रहना होगा। गावस्कर के अनुसार जैक्स अभी अच्छे फार्म में हैं, ऐसे में उनपर अंकुश लगाये रखना जरुरी होगा। गावस्कर ने कहा कि अगर पिच से थोड़ी भी स्पिन मिली तो जैक्स को खेलना भारतीय टीम के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या को इस मैच में पूरी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करनी होगी। गावस्कर के अनुसार सैमसन, सूर्यकुमार और पंड्या के प्रदर्शन से ही इस मैच का परिणाम तय होगा। उन्होंने कहा कि जैक्स सातवें नंबर पर उतरकर मैच की दिशा बदल सकते हैं, इसलिए उनपर दबाव बनाये रखना जरुरी रहेगा। वह वही भूमिका निभाते हैं जो भारत के लिए शिवम दुबे निभाते हैं।

जैक्स ने अब तक इस टूर्नामेंट में चार बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने कई अवसरों पर टीम को कठिन हालातों से उबारा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया था। वहीं श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में भी उसने तेजी से रन बनाने के बाद 3 अहम विकेट श्रीलंकाई टीम को लक्ष्य तक पहुंचने से रोक दिया। पावरप्ले में वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए ललचा सकते हैं। जैक्स आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते आये हैं। इसलिए वह वानखेड़े की मैदान को भली भांति जानते हैं। वह भारतीय टीम के खिलाफ पहली बार किसी टी20 मैच में खेल रहे हैं। ऐसे में वह और भी खतरनाक साबित हो सकते हैं क्योंकि अधिकतर बल्लेबाज पहली बार उनका सामना करेंगे। गावस्कर ने कहा कि दोनो ही टीमें आफी अच्छी हैं, ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। वहीं वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टीम का सेमीफाइनल रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उसे । 1987 एकदिवसीय विश्वप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था जबकि साल 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में वह वेस्टइंडीज से हारी पर 2011 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में उसने इसी मैदान पर श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था। गावस्कर का मानना है कि पुराने रिकॉर्ड से आज के हालातों में फर्क नहीं पड़ता और भारतीय टीम फाइनल तक जाने में सक्षम हैं।

सनी देओल-बॉबी और अक्षय खन्ना के कमबैक पर फराह खान की टिप्पणी

फराह खान इन दिनों अपने कुकिंग व्लॉग्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में वे पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया से बात करती दिखीं। इस दौरान उन्होंने देओल भाई यानी सनी देओल और बॉबी देओल के इंडस्ट्री में दमदार कमबैक पर बात करते हुए दोनों की तारीफ की। इसके अलावा उन्होंने अक्षय खन्ना का भी जिक्र किया। फराह ने कहा कि यह चैलेंजिंग काम है।

नाकामी को बेकार मत जाने दो

दरअसल, व्लॉग के दौरान रणवीर ने फराह खान से कहा कि अक्षय खन्ना, सनी देओल और बॉबी देओल की जर्नी उन्हें बहुत इंस्पायर करती है। इस पर फराह खान ने भी रिएक्शन दिया। फराह खान ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है। क्या कमाल की वापसी इनकी हुई है। वो बाहर होकर वापस आए हैं। यह तो और भी मुश्किल है। किसी ने कहा है, एक अच्छी नाकामी को कभी बेकार मत जाने दो। हमेशा उससे कुछ सीखो'।

सनी, बॉबी और अक्षय खन्ना का कमबैक

बता दें कि अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' और फिर 'धुरंधर' में अपने किरदारों को लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। 'धुरंधर' में तो उन्होंने रहमान डकैत के किरदार में पूरी महफिल ही लूट ली। इसी तरह बॉबी देओल ने लंबे वक्त बाद फिल्म 'एनिमल' से दमदार वापसी की थी। इसके बाद वे आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए। वहीं, सनी देओल ने 'गदर 2' से वापसी की और 'बॉर्डर 2' में भी उनका भौकाल रहा। इसे लेकर ही फराह ने तीनों सितारों की तारीफ की। 'तीस मार खान' को लेकर कही ये बात फराह खान ने इस दौरान अपनी फिल्म 'तीस मार खान' के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे फिल्म को रिलीज के वर्षों बाद भी बहुत प्यार मिल रहा है। फराह ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'जब 'तीस मार खान' रिलीज हुई थी, तो मेरी तो बैंड ही बजा के रख दी थी। मैंने सोचा, मैं इतना गलत कैसे जा सकती हूं, क्योंकि मुझे तो बहुत फनी लगी थी। अब मुझे लगता है, वाह। अभी अक्षय खन्ना का फिर से आना हुआ है तो लोग मुझे यह कोट कर रहे हैं'।

'वाराणसी' फिल्म को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने किया बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा ने ऐलान किया कि वे 'वाराणसी' फिल्म के साथ बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म उनके करियर में लगभग 6-7 साल बाद पहली इंडियन फिल्म होगी। 'वाराणसी' फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं, जिन्हें दीपिका पादुकोण ने 'भारत के सबसे टैलेंटेड डायरेक्टर्स में से एक' बताया है। फिल्म में महेश बाबू लीड रोल में हैं और प्रियंका फीमेल लीड के तौर पर नजर आएंगी।

क्यों हैरान हुए जिमी फैलन

प्रियंका ने शो पर बताया कि फिल्म की शूटिंग 14 महीने से चल रही है और अभी इसके अगले 6 महीने की शूटिंग बाकी है। शो के होस्ट जिमी फैलन भी इतने लंबे समय को सुनकर हैरान रह गए।

फिल्म देगी नेक्स्ट लेवल

एक्सपीरियंस फिल्म को आईमैक्स फॉर्मेट में शूट किया जा रहा है, जिससे यह बड़े स्क्रीन अनुभव के लिए तैयार की जा रही है। प्रियंका ने कहा, 'हां, हम इसे शूट कर रहे हैं, तो बड़े थिएटर्स में ये फिल्म शानदार अनुभव देगी।' प्रियंका ने शूटिंग अनुभव को एक एडवेंचर बताया और कहा कि वह फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि वाराणसी अप्रैल 2027 में रिलीज होगी।

'द ब्लफ' में नजर आईं प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'द व्हाइट लोटस' को ठुकराने की खबरों के बीच दीपिका का क्रिप्टिक पोस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट को ठुकरा देने को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि दीपिका हॉलीवुड की पॉपुलर ब्लैक कॉमेडी सीरीज 'द व्हाइट लोटस' के चौथे सीजन में नजर आ सकती हैं। मगर, अब मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अभिनेत्री ने इसमें काम करने से इनकार कर दिया है। ऐसी खबरों के बीच दीपिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है।

क्यों ठुकराया दीपिका ने ऑफर?

दीपिका पादुकोण भारतीय फिल्मों 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से पहले ही कुछ कारणों से इनकार कर चुकी हैं। अब उन्होंने हॉलीवुड सीरीज से भी किनारा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने 'द व्हाइट लोटस' सीरीज में काम करने से इसलिए मना कर दिया, क्योंकि वे अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं देना चाहती थीं। वहीं, सीरीज के मेकर्स ऑडिशन लेना चाहते थे।

चुप रहना मुश्किल है

इस तरह की तमाम खबरों के बीच दीपिका पादुकोण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसका सार यह है कि जब लोग शोर मचा रहे हों, आपको लेकर बातें हो रही हैं, तब चुप रहना चुन पाना मुश्किल होता है और यही असली ताकत है। दीपिका के पोस्ट में लिखा है, 'शांत रहना सबसे बड़ा फ्लेक्स है। कोई भी अपना आपा खो सकता है, तुरंत रिएक्ट कर सकता है। जोर से बात कर सकता है और शोर मचा सकता है। इसके लिए जीरो ताकत चाहिए। असली ताकत तब दिखती है जब अफरा-तफरी मच जाती है और आप झुकते नहीं हैं। जब ड्रामा आपको अपनी ओर खींचने की कोशिश करता है और आप जमीन पर टिके रहते हैं।

शांत रहना एक सुपरपावर है

आगे लिखा है, 'शांत रहना कमजोरी नहीं है, यह मास्टरी है। यह जानना है कि आपको कुछ भी साबित करने, सब कुछ समझाने या हर किसी पर रिएक्ट करने की जरूरत नहीं है। जब दूसरे लोग घबराकर एनर्जी खर्च करते हैं, तो आप चुपचाप, साफ और जान-बूझकर आगे बढ़ते हैं। शोर की आदी दुनिया में, शांत रहना एक जबर्दस्त सुपरपावर है'। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑडिशन नहीं देने के फैसले के चलते दीपिका ने यह बड़ा प्रोजेक्ट ठुकरा दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह पहली बार नहीं है, जब दीपिका को इस सीरीज का ऑफर मिला हो। इससे पहले उन्हें तीसरे सीजन के दौरान भी ऑफर आया था।

'भाई तेरा यार है' में लीड रोल निभाएंगे राघव जुयाल

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की शानदार सफलता के बाद राघव अब पहली बार बतौर लीड एक्टर किसी फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इससे पहले वे 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' और 'किल' फिल्म में काम कर चुके हैं।

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, राघव फिल्म 'भाई तेरा यार है' में नजर आएंगे। इस हफ्ते फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू हुई है। पहले शूटिंग शेड्यूल को बीच में ही रोकना पड़ा था क्योंकि राघव का पैर टूट गया था। उस वक्त पूरी टीम को लंदन से वापस लौटना पड़ा था। अब राघव पूरी तरह ठीक हो चुके हैं और फिल्म की शूटिंग फिर से पटरी पर आ गई है। इस फिल्म का निर्देशन विवेक अग्रवाल कर रहे हैं, जो 'आई सी यू' के लिए जाने जाते हैं, जिसमें अर्जुन रामपाल नजर आए थे। राघव के लिए यह फिल्म खास है क्योंकि इससे पहले किल और 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाई थीं, लेकिन 'भाई तेरा यार है' में वह पहली बार लीड रोल में दिखाई देंगे।

ऋषभ शेट्टी ने 'जय हनुमान' की शूटिंग पर दी अपडेट

अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी अपनी पत्नी प्रगति शेट्टी के साथ कर्नाटक के रायचूर जिले में स्थित मंत्रालयम गए। दंपति ने गुरु राघवेंद्र स्वामी को समर्पित गुरु वैभवोत्सव में भाग लिया और क्षेत्र भर से आए श्रद्धालुओं के साथ उत्सव में शामिल हुए। उनका यह दौरा राघवेंद्र स्वामी के जन्मदिन के मौके पर हुआ। इस दौरान अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' को लेकर भी बात की।

अभी नहीं शुरू हुई 'जय हनुमान' की शूटिंग

इस दौरान ऋषभ शेट्टी राघवेंद्र स्वामी के वृंदावन के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक दर्शन करते हुए नजर आए। दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए एक्टर ने कहा कि जब भी मैं मंत्रालयम आता हूं, मुझे मन की शांति मिलती है। रायरू के दर्शन होना मेरा सौभाग्य है। हम नियमित रूप से यहां आते रहते हैं। अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जय हनुमान' के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में मुहूर्त हुआ है। अभी शूटिंग शुरू होनी बाकी है। हम हनुमान जी पर एक शानदार फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक अच्छा संदेश है।

राघवेंद्र स्वामी पर फिल्म बना सकते हैं ऋषभ

अपने करियर के विकल्पों पर बात करते हुए ऋषभ शेट्टी ने कहा कि असल में, हम कलाकार हैं। अगर कोई निर्देशक कहानी सुनाता है और हमें किरदार पसंद आता है, तो हम उसे जरूर करेंगे। हर कलाकार अच्छे निर्माताओं के साथ ऐसे किरदार निभाने की उम्मीद रखता है। मंत्रालयम के रायरू यानी राघवेंद्र स्वामी पर आधारित फिल्म बनाने की संभावना के बारे में अभिनेता ने कहा कि मंत्रालयम के रायरू पर फिल्म बनाना आसान नहीं है, यह बहुत मुश्किल काम है। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता, देखते हैं आगे क्या होता है।

ट्रेलर के बाद दर्शक फिल्म की भव्यता समझ पाएंगे

निर्देशक प्रशांत वर्मा द्वारा निर्देशित 'जय हनुमान' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस उत्साह पर ऋषभ शेट्टी ने कहा कि जब टीजर और ट्रेलर रिलीज होंगे, तब लोग इसकी भव्यता को समझ पाएंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी। ऋषभ शेट्टी को आखिरी बार 'कंतारा: चैप्टर 1' में देखा गया था, जो 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

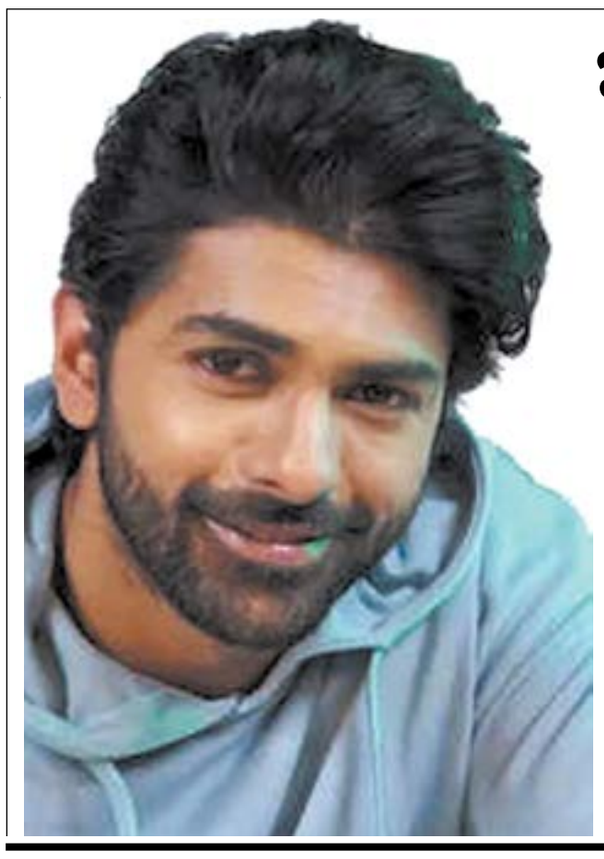

भंसाली सर संग फिर काम करना है, शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज 'हीरामंडी' के ताजदार आपको याद होंगे। एक्टर ताहा शाह बादुशा को इस किरदार ने खूब प्यार और नाम दिया। वह अपनी फिल्म 'पारो: द अनटोल्ड स्टोरी' ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में हैं, जो 98वें ऑस्कर अवॉर्ड के कंटेंशन सूची तक पहुंची। यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, ऑस्कर नॉमिनेशन में यह आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है। बातचीत में ताहा बताते हैं शाहरुख खान को देखकर ही उन्हें एक्टर बनने का जुनून चढ़ा, फिर जब किंग खान की बगल में बैठने का मौका मिला, तो मानो जैसे उन्हें ऑस्कर मिल गया। अपनी फिल्म के बारे में वह कहते हैं, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है।'

ताहा शाह 'पारो' के बारे में आगे बताते हैं, 'ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा एक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा शाह का हिंदी सिनेमा और एक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी मम्मी जब यंग थीं तो एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर एक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी एक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर संग दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म 'लव का द एंड' से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' से पहचान मिली। वह कहते हैं, 'मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उसके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।'

मेरे पास कोई प्लान बी नहीं, मेरी सफलता में मां का 80% योगदान

ताहा का सफर और सफलता की राह बड़ी लंबी रही है। जब उनसे पूछा गया कि इस लंबे इंतजार में वह कैसे डटे रहे? तो जवाब मिला, 'मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान बी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ एक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हैं। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।'

दुनेठा रोयल होम सोसायटी में किया गया होलिका दहन

■ दुनेठा ग्राम पंचायत सरपंच आशा पटेल और संजय पटेल ने किया होलिका पूजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 03 मार्च। दुनेठा पंचायत विस्तार के रोयल होम सोसायटी में 2 मार्च को होलिका दहन किया गया। इस अवसर पर दुनेठा ग्राम पंचायत सरपंच आशा पटेल एवं संजय पटेल ने शामिल होकर होलिका पूजन किया और सुख-शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान नानू पटेल, ठाकोर पटेल, हरेश पटेल, हरेशभाई रोयल होम एवं रोयल होम के नागरिकों ने भी होलिका पूजन किया।

बच्चों के अपहरण संबंधी व्हाट्सएप पर प्रसारित झूठे संदेश के संबंध में सिलवासा पुलिस का स्पष्टीकरण: बताया अफवाह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 03 मार्च। दादरा नगर हवेली में बच्चों के अपहरण संबंधी व्हाट्सएप पर फैलाये जा रहे झूठे संदेश को पुलिस ने अफवाह बताया है। साथ ही कहा है कि यह संदेश पूर्ण रुप से असत्य और निराधार है। दादरा नगर हवेली पुलिस के संज्ञान में आया है कि व्हाट्सएप पर एक संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें यह दावा किया गया है कि सिलवासा में महिलाओं का एक समूह बच्चों का अपहरण कर रहा है। उक्त संदेश पूर्णतः असत्य एवं निराधार है। पुलिस द्वारा स्पष्ट रूप से बताया जाता है कि इस प्रकार की किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है और न ही किसी ऐसे समूह के संबंध में कोई विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई है जो बच्चों के अपहरण में संलिप्त हो। प्रसारित की जा रही यह जानकारी मनगढ़ंत है, जिसका उद्देश्य जनता में भय और दहशत फैलाना है। नागरिकों से दृढ़तापूर्वक अपील की जाती है कि अप्रमाणित संदेशों पर विश्वास न करें और उन्हें आगे प्रेषित न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अफवाहें फैलाने से बचें। किसी भी संदिग्ध सूचना की पुष्टि सीधे स्थानीय पुलिस प्राधिकरण से करें। भ्रामक सूचना फैलाने अथवा सार्वजनिक शांति भंग करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। दानह पुलिस सभी नागरिकों की सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि कोई विश्वसनीय जानकारी हो तो कृपया 112 पर डायल करें। अफवाहों पर नहीं, समाचारों पर विश्वास करें।

वैदिक डेंटल कॉलेज में मनाया गया होली का त्यौहार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 03 मार्च। दमण के वैदिक डेंटल कॉलेज में रंगों का त्यौहार होली धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर वैदिक डेंटल कॉलेज के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, कार्यकारी सचिव अस्पी दमणिया, डीन सिन्हा, प्रोफेसरों एवं कॉलेज के छात्रों ने उपस्थित रहकर होली का त्यौहार मनाया। इस दौरान वैदिक डेंटल कॉलेज के छात्रों ने नृत्य, खेल और रंगों के साथ आनंद लिया।

दुधनी पंचायत के घोडबारी पटेलपाडा में अंजू वारली आर्ट गैलरी का हुआ उद्घाटन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 03 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दुधनी पंचायत के घोड़बारी स्थित पटेलपाड़ा में अंजू वारली आर्ट गैलरी के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस गैलरी का उद्घाटन संगिनी महिला मंडल की सदस्या अंजू भंवर द्वारा किया गया । उक्त कार्यक्रम में दादरा नगर हवेली जिला पंचायत के विकास एवं योजना अधिकारी पंकजसिंह परमार, दूधनी सरपंच सुनीलभाई, एनआरएलएम स्टाफ सचिन यादव, विश्वजीत जादव, निलाक्षी मेकवान एवं क्लस्टर को-ऑर्डिनेटर्स की उपस्थिति रही। इस उद्घाटन का उद्देश्य सतत आजीविका अवसरों को बढ़ावा देना तथा वारली कला एवं परंपराओं की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं प्रदर्शन करना है। यह पहल स्थानीय महिला कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को सशक्त बनाने, रोजगार के अवसर सृजित करने, कौशल सुदृढ़ करने तथा आय सृजन के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह केवल उत्पादन एवं प्रशिक्षण केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक शिक्षण स्थल के रूप में भी कार्य करेगी, जहां पर्यटक एवं विद्यार्थी को वारली कला का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देख सकेंगे, उसकी पारंपरिक महत्ता को समझ सकेंगे तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी कर सकेंगे। आगंतुकों को स्थानीय जनजातीय व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर भी प्राप्त होगा, जिससे उन्हें संपूर्ण सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्वदेशी विरासत के संरक्षण, सामुदायिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान देना है। एनआरएलएम-डीएनएच द्वारा अरुण गुप्ता (सीईओ, जिला पंचायत / मिशन निदेशक, एनआरएलएम-डीएनएच) के मार्गदर्शन एवं पियूष गोयल, आरडीसी खानवेल के सहयोग से कौंचा ग्राम पंचायत के घोड़बारी ग्राम स्थित संगिनी महिला मंडल का आजीविका परियोजना प्रस्ताव सेंटर फॉर कोऑपरेटिव्स एंड लाइवलीहुड, एलबीएसएनएए को प्रेषित किया गया। इसके अंतर्गत 2 लाख रूपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु जिला पंचायत द्वारा निरंतर प्रशिक्षण एवं विपणन अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं प्रशासक प्रफुल पटेल के निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं सहयोग हेतु हृदयपूर्वक आभार व्यक्त करती हैं।

गुजरात में 39.41 करोड़ की अंतर्राज्यीय साइबर ठगी का भंडाफोड़

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में बढ़ते साइबर अपराधों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सीआईडी क्राइम गांधीनगर ने 39.41 करोड़ रुपये से अधिक की अंतरराज्यीय साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। तकनीकी सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर अहमदाबाद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों का देशभर में दर्ज 59 साइबर क्राइम मामलों से संबंध है, जिनमें कुल लगभग रु. 39,41,26,382 की राशि शामिल है। यह गिरोह महाराष्ट्र में 13, कर्नाटक में 10, हरियाणा में 5 तथा दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में सक्रिय था। गुजरात में भी इनके खिलाफ तीन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित महेंद्रभाई गगेरा (पेशाः हेयर सैलून संचालक) और रितेशकुमार भोगीलाल पटेल (पेशाः स्टेशनरी व्यापारी) के रूप में हुई है। दोनों अहमदाबाद के निवासी हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी आर्थिक तंगी से जूझ रहे व्यापारियों के बैंक खाते किराए पर लेकर ठगी की रकम का लेन-देन करते थे। आरोपियों के मोबाइल फोन की जांच में 11 से अधिक बैंक खातों की जानकारी मिली है। साइबर क्राइम पोर्टल पर जांच करने पर देशभर की 59 से अधिक शिकायतों से उनका संबंध उजागर हुआ। आरोपी 'डिजिटल अरेस्ट', इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, ट्रेनिंग फ्रॉड और पार्ट टाइम जॉब फ्रॉड जैसी विभिन्न तरीकों से लोगों को लालच देकर बड़ी रकम ट्रांसफर करवाते थे। कम समय में अधिक मुनाफा देने के झांसे में लेकर लोगों से ठगी की जाती थी। सीआईडी क्राइम गांधीनगर के मुताबिक साइबर अपराध अब अंतरराज्यीय स्तर पर संगठित रूप से संचालित हो रहे हैं और अपराधी लगातार नई-नई तकनीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। तकनीकी विश्लेषण और डिजिटल ट्रेल के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली है। इस तरह के गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और पैसों के ट्रेल के आधार पर अन्य संदिग्धों तक भी जांच पहुंचाई जाएगी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन मोबाइल फोन और पांच लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है।

U. T. ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

DIU MUNICIPAL COUNCIL - DIU
NOTICE INVITING TENDER

1. Construction of CC Road from Diu circle to STP upto NH-251 at Gadhipara and on surrounding area of Jethibai Bus terminal Building at Diu (2nd Call).

Tender No. : DMC/DIU/CONST/2025-2026/1274
Start date of submission : 03/03/2026 till 11.00 Hrs
Last date for physical submission : 18/03/2026 at 14:30 Hrs
Bid opening date : 18/03/2026 at 16:00 Hrs

www.diu.gov.in
dmc-diu-dd@nic.in
02875-252126

Chief Officer, Diu Municipal Council, Diu

No. IP/DMN/2/5/2025-26/1210 dated: 03/03/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमण
निविदा आमंत्रण सूचना
दमण के सरकारी कॉलेज के आंतरिक सज्जा और फर्नीचर का कार्य।

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4636_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 25/03/2026
ई-बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 25/03/2026
बोली खुलने की तिथि : 25/03/2026

For details please scan
https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता, लो.नि.वि., दमण,

No. IP/DMN/2/5/2025-26/1207 dated: 03/03/2026

गुजरात में तीर्थ और पर्यटन विकास को बड़ा बढ़ावा

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण और तीर्थ स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के दृढ़ संकल्प के साथ मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने आज एक ही दिन में विभिन्न तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों के लिए लगभग रु. 28.68 करोड़ के विकास कार्यों को प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी प्रदान की है। जूनागढ़ स्थित ऐतिहासिक ऊपरको फोर्ट में पर्यटकों की सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से मजेवड़ी गेट की ओर कंपाउंड वॉल, पार्किंग व्यवस्था और टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के प्रथम चरण के लिए रु. 1.07 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। भविष्य में यहां पर्यटकों के लिए दो लिफ्ट की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इसके अलावा, सुप्रसिद्ध हर्षद माता मंदिर के सर्वांगीण विकास हेतु रु.20.09 करोड़ के कार्यों का वर्क ऑर्डर जारी करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। धार्मिक स्थलों के विकास के तहत महेसाणा के शंखलपुर स्थित बहुचराती मंदिर में पेवर ब्लॉक और सोलर सिस्टम सहित सुविधाओं के लिए रु. 60.64 लाख की मंजूरी दी गई है। वहीं अमरेली के बगसरा स्थित खोडियार मंदिर में सत्संग हॉल, पार्किंग शेड और वॉटर वर्क्स जैसे कार्यों के लिए रु. 49.80 लाख स्वीकृत किए गए हैं। वलसाड जिले के घडोई में स्थित घाटकेश्वर महादेव मंदिर के विकास हेतु रिवरफ्रंट घाट, लैंडस्केपिंग और चिल्ड्रन प्ले एरिया के लिए रु. 1.80 करोड़ की राशि आवंटित की गई है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के तहत पंचमहल जिले के गोधरा में 1917 में महात्मा मंदिर द्वारा स्थापित ऐतिहासिक गांधी आश्रम गोधरा के नवीनीकरण के लिए रु. 3.36 करोड़ की ग्रांट स्वीकृत की गई है। साथ ही, डांग की आदिवासी संस्कृति के प्रतीक 'डांग दरबार-2026' के भव्य आयोजन के लिए अभी से रु. 1.25 करोड़ की राशि आवंटित करने का निर्णय लिया गया है।

The Daman & Diu State Co-operative Bank Ltd.

ADVERTISEMENT

The Daman & Diu State Cooperative Bank Ltd., in furtherance to directions of NABARD, invites applications on plain paper with complete Bio-data from desirous candidates for hiring one "COOPERATIVE INTERNS" for a period of one year only for Diu District, on the terms and conditions contained in NABARD's circular dated 15.03.2024

For details, please scan

Advt. no.2/2025-26
Published Date: 04.03.2026
Last Date of Form Submission: 24.03.2026

General Manager (HR/ADM), Head Office: H. No. 14/54, 1st Floor, Dilip Nagar, Nani Daman – 396210.
E-mail: adm@ddscbl.bank.in Website: https://ddscbl.bank.in

अवकाश सूचना

असली आजादी दैनिक के सभी पाठकों, विज्ञापन दाताओं एवं शुभचिंतकों को धुलेटी की हार्दिक शुभकामनाएं। सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि धुलेटी पर्व के अवसर पर 04 मार्च को असली आजादी दैनिक का कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 06 मार्च से प्रकाशित होता रहेगा।

- संपादक

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad
Office
02875
225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)